नीपको ज्योति

सितम्बर, 2020

अंक-15, भाग-I

ISO 9001, 14001 &
ISO 45001

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(मिनि रत्न, श्रेणी-I)

North Eastern Electric Power Corporation Limited

(Mini Ratna, Category - I)

www.neepco.co.in

संदेश

यह हर्ष का विषय है कि निगम के मुख्यालय द्वारा नीपको ज्योति पत्रिका के 15वें अंक का ई-प्रकाशन किया जा रहा है।

हमारा मुख्य कार्य विद्युत से जुड़े विभिन्न पहलुओं का विकास करना है। सामाजिक सरोकार के साथ-साथ सांविधानिक व्यवस्था के अंतर्गत राजभाषा के कार्यान्वयन तथा प्रचार-प्रसार पर ध्यान दिया जाना हमारी जिम्मेदारी है। सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा हर वर्ष एक वार्षिक कार्यक्रम जारी किया जाता है, जिसमें हिंदी में काम करने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। इनको प्राप्ति के लिए हमें पूर्ण प्रयास करना चाहिए।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में विद्युत के विकास में नीपको अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रहा है। इसके साथ-साथ राजभाषा के प्रचार-प्रसार में भी उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। नीपको ज्योति पत्रिका का नियमित प्रकाशन इस दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।

हिंदी दिवस के अवसर पर नीपको ज्योति ई-पत्रिका भाग-। के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

31/8/2020

(वी.के.सिंह)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड
(मिनि रत्न, श्रेणी-I)
North Eastern Electric Power Corporation Limited
(Mini Ratna, Category-I)

संदेश

मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई है कि नीपको मुख्यालय, शिलांग द्वारा हिंदी पत्रिका नीपको ज्योति के 15 वें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है।

संघ की राजभाषा हिंदी होने के कारण केंद्र सरकार के विभागों/कार्यालयों/निगमों/उपक्रमों एवं संस्थानों द्वारा अपने कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की दिशा में हिंदी पत्रिका का प्रकाशन भी एक महत्वपूर्ण कार्य है। विगत वर्ष नीपको कारपोरेट कार्यालय के साथ-साथ इसके नियंत्रणाधीन संयंत्र/परियोजना एवं अधीनस्थ कार्यालयों से कुल 10 हिंदी पत्रिकाएं प्रकाशित हुई। राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग में यह एक सराहनीय कदम है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस तरह के प्रयासों से निगम में कार्यरत कार्मिकों में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और सभी को अपने दैनिक कार्यों के निर्वहन में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने के लिए प्रेरणा भी मिलेगी।

मैं इस पत्रिका के संपादक मण्डल और लेखकों को बधाई देता हूँ तथा इसकी निरंतर प्रगति की कामना करता हूँ। हिंदी दिवस के अवसर पर नीपको ज्योति ई-पत्रिका भाग -I के सफल प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(अनिल कुमार)
निदेशक (कार्मिक) एवं निदेशक (वित्त)

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड

(मिनि रत्न, श्रेणी-I)

North Eastern Electric Power Corporation Limited

(Mini Ratna, Category-I)

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि इस वर्ष भी हिंदी दिवस के अवसर पर नीपको ज्योति पत्रिका के 15वें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है।

हिंदी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिया गया है जिससे कार्यालयीन कार्यों को अधिक से अधिक हिंदी में करना आवश्यक है। राजभाषा हिंदी के विकास और प्रचार-प्रसार में पत्रिकाओं की भी अपनी विशिष्ट भूमिका होती है। पत्रिकाओं के माध्यम से कार्मिको को अपनी रचनात्मक भावनाओं को व्यक्त करने का अवसर प्राप्त होता है।

मुझे पूरी उम्मीद है कि इस पत्रिका के माध्यम से निगम के कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और सभी अपने दैनिक कार्यो में राजभाषा हिंदी के प्रयोग करने के लिए प्रेरित होंगे।

नीपको ज्योति के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

(हेमंत कुमार डेका)
निदेशक (तकनीकी)

संपादक मंडल की ओर से

नीपको मुख्यालय, शिलांग की हिंदी पत्रिका 'नीपको ज्योति' का 15वॉ अंक आपके समक्ष प्रस्तुत है। आशा है कि पत्रिका का यह अंक आपको पसंद आएगा। नीपको पूर्वोत्तर क्षेत्र में विद्युत विकास के विभिन्न पहलुओं पर कार्यरत रहते हुए भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन एवं इसके प्रचार-प्रसार के लिए भी प्रतिबद्ध है।

निगम मुख्यालय के साथ-साथ संयंत्र/परियोजना एवं अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा विभाग के वार्षिक कार्यक्रम एवं दिशा-निदेश का अनुपालन सुनिश्चित किया गया। कार्मिकों के लिए हिंदी प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई। हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़ा/हिंदी दिवस मनाया गया। इसके अलावा इतर निगम में अन्य कार्यों की गतिविधियों को संक्षिप्त रूप में समेकित कर इस पत्रिका में स्थान दिया गया है।

इस पत्रिका के प्रकाशन के लिए सबसे पहले अपने निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के प्रति आभार प्रकट करते हैं। हम निदेशक (कार्मिक) के प्रति विशेष रूप से आभारी है जिनके साकारात्मक विचारों ने हमेशा प्रेरणा एवं मार्गदर्शन दिया। इस पत्रिका में शामिल सभी रचनाओं के रचनाकारों के प्रति तथा इस पत्रिका को उपादेय बनाने में प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से सहयोग प्रदान किया है, हम उनका अंतर्मन से आभार व्यक्त करते हैं और आशा करते हैं कि भविष्य में वे इसी तरह सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस पत्रिका को भविष्य में और उत्कृष्ट बनाने के लिए पाठकों के सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

नीपको ज्योति

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

मुख्य संरक्षक :

श्री वी. के. सिंह

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संरक्षक :

श्री अनिल कुमार

निदेशक (कार्मिक) एवं निदेशक (वित्त)

उपदेष्टा :

श्री पी. एस. बरठाकुर

मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं.)

सम्पादक मण्डल :

श्री जे. एन. सिंह, महाप्रबंधक (मा.सं.)

श्री अटल अमर प्रभात कुजूर, उप-महाप्रबंधक (मा.सं.)

श्री एन. के. मैतै, उप-महाप्रबंधक (मा.सं.)

श्री अरूण कुमार प्रधान, उप-प्रबंधक (हिंदी)

पत्राचार का पता :

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

ब्रुकलैण्ड कम्पाउण्ड, लोअर न्यू कालोनी

शिलांग - 793003

(इस ई-पत्रिका में प्रकाशित लेखों एवं कविताओं में व्यक्त विचार संबंधित लेखक के हैं। नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड या संपादक मंडल का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।)

नीपको ज्योति अंक 15, सितम्बर 2020

लेख एवं कविता : **पृष्ठ सं.**

1. निगम में हिंदी पखवाड़ा / हिंदी दिवस 6
2. निगम में हिंदी कार्यशाला पर रिपोर्ट 18
3. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की रिपोर्ट 22
4. पावर सेक्टर में कोविड-19 का प्रभाव - एक परिदृश्य 23
5. प्रार्थना 26
6. नीपको का एक अभिनव प्रयास 27
7. गुरू का सत्कार 28
8. कार्यालयीन हिंदी का स्वरूप 28
9. राजभाषा हिंदी 32
10. हे करोना 33
11. आखिर मन तो "माँ" की है 33
12. जीवन का सत्य 34
13. कलम या तलवार - कौन ज्यादा शक्तिशाली है ? 35
14. उम्मीद 35
15. जलविद्युत उर्जा एवं इसका महत्व 36
16. कोविड -19 महामारी की रोकथाम के लिए नीपको के प्रयास 37
17. उद्योग उत्कृष्टता पुरस्कार 42
18. कामेंग जल विद्युत परियोजना का भ्रमण 42
19. अन्य गतिविधियॉ की एक झलक 44
20. निगम द्वारा प्रकाशित हिंदी पत्रिकाएं 47
21. नीपको समाचार पत्र की सुर्खियों में 48

नीपको - राजभाषा संबंधी गतिविधियाँ
नार्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन के मुख्यालय, शिलांग में हिंदी पखवाड़ा/हिन्दी दिवस

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के मुख्यालय, शिलांग में दिनांक 01-15 सितम्बर,2019 तक राजभाषा हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन निगम के निदेशक(वित्त), श्री एम.शिवा शन्मुगानाथन ने प्रदीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस उद्घाटन कार्यक्रम के अवसर पर श्री अनिल कुमार, निदेशक(कार्मिक) के अतिरिक्त वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बड़े पैमाने पर कर्मचारीगण भी उपस्थित थे। समारोह में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि निदेशक(वित्त) तथा अतिथि के रूप में उपस्थित निदेशक(कार्मिक) का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। उद्घाटन समारोह के अवसर पर श्री पी.एस.बरठाकुर, मुख्य महाप्रबंधक(मानव संसाधन)ने अपने संबोधन में विशेष रूप से अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पखवाड़ा के दौरान आयोजित होनेवाली हिंदी प्रतियोगिताओं में भाग लेने का आग्रह किया। श्री अनिल कुमार, निदेशक (कार्मिक) ने राजभाषा नियम तथा नीति का संदर्भ देते हुए निगम में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करने का अनुरोध किया जिससे कि हम सभी अपने सांविधिक दायित्व को निभा सके और राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं सरकारी कामकाज के लिए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर सके। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री एम.शिवा शन्मुगानाथन, निदेशक (वित्त) ने निगम में हिंदी के कार्य की प्रगति की सराहना की एवं इसे और अधिक बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत रहने की आवश्यकता पर बल दिया। दिनांक 16 सितम्बर,2019 को हिन्दी दिवस के मुख्य समारोह का आयोजन किया गया।निगम के निदेशक(कार्मिक), श्री अनिल कुमार ने प्रदीप प्रज्ज्वलित करके हिन्दी दिवस समारोह के कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ.एम.पी.पाण्डेय, प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, नेहू, शिलांग को आमंत्रित किया गया था। समारोह में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार,निदेशक(कार्मिक) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ.एम.पी.पाण्डेय, प्रोफेसर,हिन्दी विभाग,नेहू,शिलांग का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। तत्पश्चात श्री एन.के. मैतै, उप-महाप्रबंधक(मानव संसाधन) ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया। श्री जे. एन. सिंह, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में श्री अमित शाह, माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार के संदेश को हिंदी दिवस के समारोह में वाचन किया। श्री अरूण कुमार प्रधान, उप-प्रबंधक(हिन्दी) ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में श्री आर . के. सिंह, माननीय विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा की गई अपील का पाठ किया। मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार, निदेशक (कार्मिक) ने अपने संबोधन में सभी को हिन्दी दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि हिंदी संघ की राजभाषा है और हम सबका यह दायित्व बनता है कि सरकारी कामकाज में हिंदी भाषा का अधिक से अधिक प्रयोग किया जाय। सरकारी कामकाज हिंदी में करने से एक तो हम भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन करेंगे और दूसरा अपने निगम में राजभाषा के कार्यान्वयन में अग्रसर रहेंगे। उन्होंने हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को बधाई

दी तथा जिन प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में विजय प्राप्त नहीं की, उनको उत्साहित करते हुए कहा कि प्रतियोगिता में विजयी होकर पुरस्कार प्राप्त करना ही एक लक्ष्य नहीं होना चाहिए। बल्कि हिन्दी प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने आपको सबके समक्ष दर्शाना भी बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। आप सब निगम में समय-समय पर आयोजित होनेवाले विभिन्न हिंदी कार्यक्रमों में भाग लेने का प्रयास करें तथा अपने कार्यालयीन कार्य में हिंदी के प्रयोग करने में होनेवाली झिझक से घबराए नहीं।

जितना संभव हो उतना हिंदी का प्रयोग करने की कोशिश कीजिए। मुख्य अतिथि डॉ. एम. पी. पाण्डेय,प्रोफेसर,हिन्दी विभाग,नेहू,शिलांग ने हिंदी दिवस समरोह में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपके निगम के मुख्यालय कार्यालय,शिलांग में हिंदी दिवस समारोह के अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी में निगम में हिंदी के अन्य कार्यक्रमों का आयोजन,पुरस्कार की प्राप्ति,पत्रिकाओं का प्रकाशन,हिंदी कार्यशाओं के आयोजन एवं हिंदी पुस्तकों के संग्रह का अवलोन करने से यह पता चलता है कि आप सभी केंद्र सरकार की राजभाषा नीति के दिशा-निदेश के अनुपालन एवं कार्यान्वयन के लिए पूरा प्रयास कर रहे हैं, यह सराहनीय है। उन्होंने अपने संबोधन में हिंदी भाषा के महत्व और इसकी वर्तमान स्थिति तथा खड़ी बोली से लेकर सामान्य जन की भाषा पर प्रकाश डाला। निज भाषा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि हिंदी भाषा किसी भी स्थानीय भाषा के विकास में बाधक नहीं है बल्कि यह समन्वय का कार्य करती है। पूर्वोत्तर की भाषाओं का भी अपना एक विशेष महत्व है।

इस अवसर पर नीपको ज्योति पत्रिका के 14वें अंक तथा हिन्दी-अंग्रेजी एवं स्थानीय शब्दकोश का विमोचन किया गया। निगम में राजभाषा की उपलब्धियों पर एक आर्कषक प्रर्दशनी भी लगाई गयी।

हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को हिंदी दिवस समारोह में आकर्षक पुरस्कारों से पुरस्कृत किया गया। हिंदी में नोट/टिप्पणी एवं प्रारूप लेखन को बढ़ावा देने के लिए निगम में 2013 से प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। निगम के मुख्यालय कार्यालय में हिंदी टिप्पण/नोट लिखनेवाले अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया। श्री अरूण कुमार प्रधान, उप-प्रबंधक (हिन्दी) ने निगम में राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों पर विशेष प्रकाश डाला। सुश्री माईसनाम इंगालेमा उप-प्रबंधक (मानव संसाधन) ने हिंदी दिवस समारोह का संचालन किया। श्री अनिल कुमार दास,महाप्रबंधक (वित्त) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही हिंदी दिवस समारोह सम्पन्न हुआ।

श्री एम.शिवा शन्मुगानाथन निदेशक(वित्त) प्रदीप प्रज्ज्वलित कर हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन **करते हुए**

श्री अनिल कुमार,निदेशक (**कार्मिक**) हिंदी **पखवाड़ा** के अवसर पर सम्बोधित करते हुए

श्री अनिल कुमार,निदेशक (कार्मिक) हिंदी प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए

श्री अनिल कुमार,निदेशक(कार्मिक)और डॉ.एम.पी.पाण्डेय, प्रोफेसर,नेहू,शिलांग हिंदी प्रदर्शनी का अवलोकरन करते हुए

श्री अनिल कुमार,निदेशक(कार्मिक)और डॉ. एम.पी.पाण्डेय, प्रोफेसर,नेहू,शिलांग हिंदी हिंदी पत्रिका नीपको ज्योति का विमोचन करते हुए

डॉ. एम.पी.पाण्डेय,प्रोफेसर,नेहू,शिलांग सम्बोधित करते हुए

श्री अनिल कुमार,निदेशक(कार्मिक) पुरस्कार प्रदान करते हुए

श्री अनिल कुमार,निदेशक(कार्मिक) पुरस्कार प्रदान करते हुए

विजेता बोलते हैं कि मुझे कुछ करना चाहिए, जबकि हारने वाले बोलते हैं कि कुछ होना चाहिए। - शिव खेरा

संयंत्र/परियोजना के कार्यालयों में भी हिंदी पखवाड़ा और हिंदी दिवस

तुईरियल जल विद्युत संयंत्र में हिंदी पखवाड़ा और हिंदी दिवस

तुईरियल जल विद्युत संयंत्र में 01-14 सितम्बर,2019 तक बड़े उत्साह से हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। इसके दौरान विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की गई, जिनमें परियोजना के विभिन्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिनांक 14 सितम्बर, 2019 को हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री समरजित चक्रवर्ती, संयंत्र/परियोजना प्रमुख ने संयंत्र के सभी कर्मचारियों को हिंदी में अधिक से अधिक काम करने पर जोर दिया, जिससे कि सरकार द्वारा निर्धारित ''ग' क्षेत्रों के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके। हिंदी दिवस समारोह के अंत में विजयी प्रतिभागियों को श्री समरजित चक्रवर्ती, संयंत्र/परियोजना प्रमुख ने पुरस्कृत किया। समारोह का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री एन.सी.दास, सहा. प्रबंधक (प्रशा.) ने किया।

श्री समरजित चक्रवर्ती, संयंत्र प्रमुख हिंदी पखवाड़ा

श्री समरजित चक्रवर्ती, संयंत्र प्रमुख पुरस्कार प्रदान का उद्घाटन करते हुए करते हुए

एजीबीपीपी, बोकुलोनी में हिंदी पखवाड़ा/ हिंदी दिवस

नीपको, एजीबीपी, बोकुलोनी,असम में दिनांक 01-14 सितम्बर, 2019 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। पखवाड़ा के दौरान कार्यालय के कर्मचारियों में हिंदी के प्रति उनकी रूचि को बढ़ावा देने के लिए कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। जैसेकि कविता पाठ प्रतियोगिता/हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन/अनुवाद/हिंदी टंकण/प्रश्नोत्तरी/अंताक्षरी। समारोह में बतौर अतिथि वक्ता उपस्थित हुए दुलियाजान महिला विश्व विद्यालय के हिंदी विभाग प्रमुख श्री अमित चन्द्र कलिता। समारोह के आरंभ में, संयंत्र प्रमुख श्री एच.के.चांमाई, मुख्य महाप्रबंधक(वि./या.) जी ने अतिथि वक्ता जी को फुलम गमोचा पहनाकर उनका स्वागत किया। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कार्यालय द्वारा वार्षिक हिंदी गृह पत्रिका ''आरोही'' का चौथा अंक प्रकाशित की गयी। पत्रिका का अनावरण संयंत्र प्रमुख श्री एच.के.चांमाई, मुख्य महाप्रबंधक (वि./या.) एवं अतिथि वक्ता और वि.के.वि. विद्यालय के हिंदी प्राध्यापक द्वारा किया गया। तत्पश्चात, अपने स्वागत में सभी अधिकारियों को अपना आभार प्रकट करते हुए, अतिथि वक्ता श्री अमित चन्द्र कलिता द्वारा पुरस्कार प्रदान की गयी। समारोह के अंत में संयंत्र प्रमुख श्री एच.के.चांमाई ने अतिथि वक्ता एवं अन्य अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि राजभाषा का महत्व केवल हिंदी पखवाड़ा के दौरान कार्यक्रमों में मनोरंजन व प्रतियोगिताओं के पुरस्कार तक ही सीमित नहीं रहें बल्कि इसे संभवत: हमें दैनिक रूप से अपने रोजमर्रा के कार्यालयीन काम-काज में भी जगह देते हुए आगे

बढ़ाना है। उन्होंने सभी से पुन: अनुरोध किया कि इस कार्य को सफल रूप से कार्यान्वित करने में सभी अपना सहयोग दें और कोशिश जारी रखें। समारोह का समापन में श्री रंजीत बरठाकुर, उप-महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने उपस्थित अतिथि वक्ता, विद्यालय के हिंदी प्राध्यापक एवं सभी अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापन कर समारोह का समापन किया।

नई दिल्ली कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा/हिंदी दिवस

निगम के समन्वय कार्यालय,नई दिल्ली में मुख्य अतिथि श्री वी. के.सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक दिनांक 02.09.2019 को दीप प्रज्जवलित कर हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ किया। पखवाड़े के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए दो वर्गों में (हिंदी भाषी एवं अन्य भाषा-भाषी) हिंदी की दो प्रतियोगिताएं (समाचार वाचन एवं टिप्पण एवं प्रारूप लेखन) आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। 16 सितम्बर, 2019 को श्री असीम रॉय, मुख्य महाप्रबंधक(सी) की अध्यक्षता में हिंदी दिवस का मुख्य समारोह आयोजित किया गया। श्री एच. भराली, विभागाध्यक्ष ने सभी कार्मिकों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए यह अपील की कि वे अपना समस्त कार्यालयीन कार्य हिंदी में ही करें। हिंदी दिवस के अवसर पर माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी के संदेश से श्री राजीव रंजन, वरि. प्रबंधक (आईटी) ने सभी को अवगत करवाया। उसके बाद श्री शांतनु बेजबरूआ, उप-महाप्रबंधक (मा.सं.) ने वर्ष के दौरान कार्यालय में राजभाषा हिंदी के किए गए कार्यों एवं उपलब्धियों के बारे में सभी को बताया। इसके उपरांत हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं के साथ ही कार्यालय में लागू की गई नकद पुरस्कार प्रोत्साहन योजना के विजेताओं को विभागाध्यक्ष ने पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष के कर-कमलों से हिंदी की वार्षिक पत्रिका "रतनदीप" के सातवें अंक का विमोचन किया गया। समारोह की संचालिका सुश्री सुनीता रानी सिन्हा, सहायक हिंदी अधिकारी ने समारोह के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

श्री वी.के. सिंह,सीएमडी,नीपको का स्वागत करते हुए श्री एच. भराली,समन्वयक,नई दिल्ली

श्री वी.के. सिंह,सीएमडी,नीपको, हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन करते हुए

श्री एच. भराली,समन्वयक,रतनदीप पत्रिका का विमोचन करते हुए

दोयांग जल विद्युत संयंत्र, नागालैंड में हिन्दी पखवाड़ा/हिन्दी दिवस

दोयांग जल विद्युत संयंत्र में दिनांक 01 सितम्बर, 2019 को हिन्दी पखवाड़ा का शुभारम्भ किया गया|

श्री प्रसेन्नजीत फूकन, महाप्रबंधक (वै./यां.) ने प्रदीप प्रज्जवलित करके हिन्दी पखवाड़ा का उद्घाटन किया| इस उद्घाटन कार्यक्रम के अवसर पर श्री डिपुल चन्द्र हलोई, उप-महाप्रबंधक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें), श्री लैशरम यैम्बा खुमन, सहायक प्रबंधक (मा.सं.) के साथ बड़े पैमाने पर कर्मचारीगण भी उपस्थित थे| इस अवसर पर समारोह का शुभारम्भ अतिथियों के स्वागत के बाद किया गया| श्री लैशरम यैम्बा खुमन ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए राजभाषा के प्रयोग पर अधिक से अधिक बल देने का आग्रह किया तथा यह भी कहा कि सरकारी कार्य में राजभाषा हिन्दी को प्रयोग में लाना हम सभी का दायित्व है| उन्होंने सभी से अपील की कि राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को कार्यालय में बढ़ावा देने के लिए सभी मिलकर प्रयास करें | श्री पिंटु सिंह, सहायक (हिन्दी) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही समारोह संपन्न हुआ| दिनांक 14 सितम्बर, 2019 को हिन्दी दिवस मनाया गया| श्री प्रसेन्नजीत फूकन, महाप्रबंधक (वै./यां.) ने प्रदीप प्रज्जवलित करके हिन्दी दिवस समारोह के कार्यक्रम का शुभारम्भ किया| श्री लैशरम यैम्बा खुमन ने सर्वप्रथम मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया| श्री पिंटु सिंह, सहायक (हिन्दी) ने हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार के संदेश को हिन्दी दिवस के समारोह में प्रस्तुत किया|

विशिष्ट अतिथि श्री रुपेश कुमार सिंह, विवेकानन्द केन्द्र विद्यालय, दोयांग ने हिन्दी के विभिन्न स्वरूपों पर प्रकाश डाला। श्री डिपुल चन्द्र हलोई, उप-महाप्रबंधक (चि.एवं स्वा.से.), ने हिन्दी दिवस समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सब मिलकर हिन्दी का प्रचार-प्रसार करेंगे तभी राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन में अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं|

हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को हिन्दी दिवस समारोह में आकर्षक पुरस्कारों से पुरस्कृत किया गया |इस सम्पूर्ण आयोजन का सफल संचालन श्री पिंटु सिंह, सहायक-III (हिन्दी) के द्वारा किया गया|

गुवाहाटी कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा/हिंदी दिवस

निगम के गुवाहाटी कार्यालय में दिनांक 01-15 सितंबर 2019 तक हिंदी पखवडा मनाया गया। इस हिंदी पखवाड़ा के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे कि हिंदी टिप्पणी एवं प्रारूप लेखन, हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता, हिंदी आकस्मिक भाषण प्रतियोगिता, हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और हिंदी अतांक्षरी प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। जिसमें बहुत संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 14 सितंबर 2019 को हिंदी दिवस समारोह के दौरान श्री सरल कुमार सरकार, मुख्य महाप्रबंधक (सी)प्रभारी- परि. हाईड्रो/ डी एंड ई) तथा कार्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। 14 सितंबर,2019 को श्री सरल कुमार सरकार मुख्य महाप्रबंधक (सी) प्रभारी, परि. हाईड्रो/डी एंड ई, ने प्रदीप प्रज्जवलित कर हिंदी दिवस समारोह के कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कबिता दास, उप-महाप्रबंधक(मानव संसाधन) ने किया।

जब तक तुम स्वयं पर विश्वास नहीं करते, परमात्मा में विश्वास कर ही नहीं सकते। - विवेकानंद

कामेंग जल विद्युत परियोजना, किमि में हिंदी पखवाड़ा/ हिंदी दिवस

नार्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, कामेंग जल विद्युत परियोजना, किमि (अ.प्र.) कार्यालय में दिनांक 01 सितम्बर से 15 सितम्बर 2019 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। पखवाड़ा के दौरान हिंदी समाचार वाचन, टिप्पण व प्रारूप लेखन, हिंदी अनुवाद, संगीत प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं अंताक्षरी, आकस्मिक भाषण, टंकण प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। आयोजित की गई प्रतियोगिताओं में कार्यालय के अधिकारियों / कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

हिंदी दिवस समारोह का आयोजन 14 सितम्बर, 2019 को किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री समर रंजन विश्वास, परियोजना प्रमुख, काहेप, किमि, अरूणाचल प्रदेश द्वारा किया गया। श्रीमती सम्प्रीति मधुकूल्या, उप-प्रबंधक, (मा.सं.) ने स्वागत भाषण करते हुए सर्वप्रथम समारोह के मुख्य अतिथि तथा सभा में उपस्थित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों का स्वागत किया, साथ ही साथ हिंदी को सरकारी कामकाज में ज्यादा से ज्यादा अपनाने का अनुरोध किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। मुख्य अतिथि श्री समर रंजन विश्वास, परियोजना प्रमुख ने अपने सम्बोधन में हिंदी को एक सरल सहज तथा आम लोगों की भाषा एवं हिंदी को पूरे भारत में सर्वाधिक बोली जानेवाली भाषा बताते हुए हिंदी को सभी अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा सरकारी कामकाज में अपनाने का आग्रह किया। अंत में श्रीमती सम्प्रीति मधुकूल्या, उप-प्रबंधक (मा.सं.) ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

प्राण देकर भी मित्र के प्राण की रक्षा करनी चाहिए। - बाणभट्ट

कोपिली जल विद्युत संयंत्र, उमरॉग्सों में हिंदी पखवाड़ा/हिंदी दिवस 2019

कोपिली जल विद्युत संयंत्र द्वारा 02 से 16 सितम्बर, 2019 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खेप के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए आयोजित समाचार प्रतियोगिता के साथ हुआ। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिनांक 16.09.2019 को हिंदी दिवस के मुख्य समारोह का आयोजन किया गया। अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री देबोतोष भट्टाचार्जी, संयंत्र प्रमुख ने प्रदीप प्रज्वलित कर किया। श्री देबोतोष भट्टाचार्जी, संयंत्र प्रमुख, खेप, उमरॉग्सों ने अपने संबोधन में राजभाषा के इतिहास पहलुओं को उजागर करते हुए राजभाषा की महत्ता पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात श्री बिशन थापा, उप-प्रबंधक (हिंदी) ने माननीय गृह मंत्री का हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर जारी संदेश का पाठ किया। हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कारों से पुरस्कृत किया गया। श्री बिशन थापा, उप-प्रबंधक (हिंदी) ने समारोह का संचालन किया। श्री हिरेन कलिता, उप-प्रबंधक (सी) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही हिंदी दिवस समारोह सम्पन्न हुआ।

रंगानदी जल विद्‌युत संयंत्र, अरूणाचल प्रदेश में हिंदी पखवाड़ा/हिंदी दिवस

रंगानदी जल विद्‌युत संयंत्र में दिनांक 01-14 सितंम्बर 2019 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवधि के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। गत वर्ष की भॉंति इस वर्ष भी प्रतियोगिताओं में सभी ने बढ़-चढ़ कर उत्साह पूर्वक भाग लिया। हिंदी दिवस समारोह दिनांक 14/09/2019 को उपराह्न 3.30 बजे से रंगानदी जल विद्‌युत संयंत्र के सभागार कक्ष में किया गया। हिंदी दिवस समारोह 2019 का शुभारंभ संयंत्र प्रमुख द्‌वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों का तथा अन्य उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत श्री तरून कुमार, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक, मानव संसाधन विभाग, रहेप तथा रंगानदी जल विद्‌युत संयंत्र की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तरफ से किया गया।

हिंदी दिवस के अवसर पर राजभाषा वार्षिक पत्रिका - ''पंयोर प्रवाह'' के बारहवॉं अंक का विमोचन संयंत्र प्रमुख के कर कमलों द्‌वारा सम्पन्न किया गया। पत्रिका के विमोचन के समय वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों ने अपनी उपस्थिति तालियों की गूंज के साथ दर्ज की।

हिंदी दिवस के अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबांधित करते हुए अपने अभिभाषण में संयंत्र प्रमुख ने हिंदी दिवस पर सबको बधाई देते हुए कहा कि ''हिंदी हमारे जीवन में क्यों महत्वपूर्ण है''? संयंत्र प्रमुख ने हिंदी दिवस की महता पर भी प्रकाश डाला और सभी कर्मचारियों से यह भी कहा की भविष्य में रंगानदी जल विद्‌युत संयंत्र में हिंदी द्‌वारा सभी को एक दूसरे से जोड़ दिया जाए ताकि निकट भविष्य में अधिक से अधिक राजभाषा का व्यवहार इस संयंत्र में होने लगे। अंत में हिंदी दिवस 2019 के इस पाक्षिक समारोह का समापन श्री तरून कुमार, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

एजीटीसीसीपीपी में हिंदी पखवाड़ा/हिंदी दिवस

अगरतला गैस टरबाइन कंबाइंड साइकिल पॉवर प्लांट में दिनांक 01 से 15 सितंबर 2019 तक हिंदी पखवाड़ा पूरे हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। समारोह का उद्घाटन अनेक वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में संयंत्र प्रमुख श्री संजय कृष्ण दे, मुख्य महाप्रबंधक (वै/यां.) द्वारा प्रदीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संयंत्र प्रमुख महोदय ने अपने भाषण में एजीटीसीसीपीपी में राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित कार्यों की सराहना की और उन्होंने उत्साह के साथ इस कार्य को और बढ़ाने का आग्रह किया, ताकि निर्धारित लक्ष्यों को शीघ्र प्राप्त किया जा सके। उन्होंने इस पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को उत्साहित करने के साथ-साथ कार्यक्रम की सफलता की शुभकामनाएँ दीं। तत्पश्चात उपस्थित अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा लेखन पट्ट पर हिंदी में हस्ताक्षर कर पखवाड़े का शुभारंभ किया। इस पखवाड़े के दौरान प्लांट के अधिकारियों व कर्मचारियों को हिंदी के प्रयोग के लिए उत्साहित करने हेतु विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गई थीं जिसमें कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 16 सितंबर को हिंदी दिवस समारोह के मुख्य कार्यक्रम के दौरान मंचासीन वरिष्ठ अधिकरी श्री नन्द बसुमतारी, महाप्रबंधक (वै.यां.) श्री असीम देव, महाप्रबंधक (सिविल) श्री सुरंजन सरकार, उप-महाप्रबंधक (वै/यां.), श्री पी.एस.चंदा, उप-महाप्रबंधक (सिविल) एवं विशिष्ठ अतिथि श्रीमती सुमिता धर बसु ठाकुर द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में श्री नीरज शर्मा, प्रबंधक (आईटी) द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर माननीय गृह मंत्री जी के संदेश का पाठ किया गया। तत्पश्चात एजीटीसीसीपीपी, नीपको की गृह पत्रिका 'विद्युत प्रभा' के तीसरे अंक का विमोचन किया गया। हिंदी पखवाड़ा समारोह के मुख्य कार्यक्रम के अवसर पर अगरतला की मशहूर कवियत्री श्रीमती सुमिता धर बसु ठाकुर को विशिष्ठ अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस समारोह में उन्होंने हिंदी भाषा की अनेक कविताओं का पाठ किया।कार्यक्रम के अंत में श्री महेश कुमार शर्मा, सहायक हिंदी अधिकारी द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

त्रिपुरा आधारित विद्युत संयंत्र में हिंदी पखवाड़ा/हिंदी दिवस

त्रिपुरा गैस आधारित विद्युत संयंत्र, नीपको लि. मोनारचक, सोनामुड़ा में दिनांक 01 सितम्बर, 2019 से 14 सितम्बर, 2019 तक हिंदी पखवाड़ा/हिंदी दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें संयंत्र प्रमुख के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। दिनांक 16 सितंबर, 2019 को हिंदी दिवस समारोह का शुभारंभ, मुख्य अतिथि श्री देबेन चन्द्र दास, महाप्रबंधक(वै./यां.) एवं श्री विजय कुमार, उप-महाप्रबंधक(मा.सं.) द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुरूआत किया गया। अतिथि के रूप में उपस्थित श्री देबेन चन्द्र दास, महाप्रबंधक को फ़ुलम गामोछा से विजय कुमार, उप-महाप्रबंधक(मा.सं.) द्वारा स्वागत किया गया। श्री विजय कुमार, उप-महाप्रबंधक(मा.सं.) ने अपने स्वागत भाषण में सभा में उपस्थित मुख्य अतिथि, सभी अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण का अभिनंदन किया। उसके बाद उप-महाप्रबंधक (मा.सं.) द्वारा राजभाषा हिंदी में किये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डालते हुए, सभा में उपस्थित सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अपने कार्यालय में दैनिक कार्य को हिंदी में करने का पूरा प्रयास करें।

हिंदी पखवाड़ा के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। टीजीबीपीपी, नीपको मोनारचक के सभाकक्ष (कांफ्रेस हाल) में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर अतिथि श्री देबेन चन्द्र दास, महाप्रबंधक (वै./यां.) ने यह बताया कि भारत में हिंदी ही जनमानस की सम्पर्क भाषा है। हमें हिंदी का सम्मान करना चाहिए, जितना हो सकें ज्यादा से ज्यादा हिंदी में काम करने का प्रयास करना चाहिए। इस कार्यक्रम का संचालन श्री अशोक कुमार सिंह, सहा. अभियंता (वि./यां.) द्वारा किया गया। अंत में सभा कक्ष में उपस्थित अतिथिगण, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके सहयोग एवं हिंदी पखवाड़ा/हिंदी दिवस के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापन दिया गया और सभा सम्मपन्न हुई।

निगम में हिंदी कार्यशाला रिपोर्ट

नीपको मुख्यालय, शिलांग

दिनांक 30/09/2019 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में श्री पी. एस. बरठाकुर, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन), श्री एस.एल. दुवरा, महाप्रबंधक (मानव संसाधन), श्री बी. के. तिग्गा, उप-महाप्रबंधक(मानव संसाधन), राजभाषा के साथ-साथ संकाय सदस्य के रूप में श्री अमित कुमार झा, सहायक निदेशक (राजभाषा), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, पूर्वोत्तर क्षेत्र मुख्यालय, शिलांग उपस्थित थे। कार्यशाला में उपस्थित सभी वरिष्ठ अधिकारियों और संकाय सदस्य तथा कार्यशाला में भाग लेनेवाले प्रतिभागियों का उप-प्रबंधक (हिन्दी), श्री अरूण कुमार प्रधान ने स्वागत किया। इस अवसर पर श्री पी. एस. बरठाकुर, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यालयीन कार्य में सहयोग के लिए कार्यालय द्वारा समय-समय पर हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, और आग्रह किया कि इस कार्यशाला के अंतर्गत हिंदी का अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करें और सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग करने की पूरी कोशिश की करें।

संकाय सदस्य के रूप में उपस्थित श्री अमित कुमार झा जी से जहाँ भी कार्यालयीन कार्य हिंदी में करने में आपको असुविधा होती है उसका समाधान करें। कंप्यूटर पर किस प्रकार से सहज रूप में हिंदी का प्रयोग किया जा सकता है उसकी भी जानकारी से लाभ उठाएं। संकाय सदस्य के रूप में आमंत्रित श्री अमित कुमार झा, सहायक निदेशक(राजभाषा), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, पूर्वोत्तर क्षेत्र मुख्यालय, शिलांग ने कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार की राजभाषा नीति, नियम से अवगत कराया। तत्पश्चात, उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रथम सत्र में कार्यालयीन प्रयोग हेतु हिंदी में टिप्पणी और प्रारूप लेखन का अभ्यास कराया तथा दूसरे सत्र में कंप्यूटर पर किस तरह से आसानी से हिंदी में काम किया जा सकता है उसका अभ्यास कराया।

जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सामान्य चीज़ो को भी असाधारण रूप से अच्छी तरह से करना होता है।- अज्ञात

30 दिसम्बर, 2019 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संकाय सदस्य के रूप में श्रीमती संचिता चक्रबर्ती, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक,निग्रिम्स,शिलांग उपस्थित थीं। श्रीमती संचिता चक्रबर्ती, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक,निग्रिम्स,शिलांग ने कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को कार्यालयीन प्रयोग हेतु हिंदी में टिप्पणी और प्रारूप लेखन का अभ्यास कराया।

समन्वय कार्यालय

समन्वय कार्यालय,नई दिल्ली में दिनांक 20.11.2019 को **"मानक हिंदी वर्तनी"** विषय पर एक हिंदी दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में वक्ता के रूप में गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के हिंदी शिक्षण योजना, नई दिल्ली से श्रीमती वीना शर्मा, उप निदेशक को आमंत्रित किया गया था। कार्यशाला का प्रारंभ करते हुए उप निदेशक ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी संघ की राजभाषा है और हिंदी वर्णमाला में सर्वत्र एक रूपता रखने के लिए ही हिंदी का मानक रूप निर्धारित किया गया।

उन्होंने वर्णमाला के पुराने रूप और मानक रूप को विस्तार पूर्वक बताया और वर्तनी के लिखने के तरीके को बड़े ही तर्कपूर्ण ढंग से समझाया। सभी प्रशिक्षणार्थियों ने कार्यशाला का भरपूर लाभ उठाया। दिनांक 19.02.2020 को "एक कदम और राजभाषा की ओर" विषय पर कार्यालय में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया। कायर्शाला में वक्ता के रूप में केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली से श्रीमती मीना गुप्ता, सहायक निदेशक महोदया को आमंत्रित किया गया था। कार्यशाला के समापन पर सहायक हिंदी अधिकारी ने सभी को धन्यवाद देते हुए सहायक निदेशक महोदया का आभार प्रकट किया।

टीजीबीपीपी

त्रिपुरा गैस आधारित विद्युत संयंत्र, मोनारचक, सोनामुड़ा, त्रिपुरा में दिनांक 20.02.2020 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्दघाटन सत्र में श्री जे.एल.दास, उप-महाप्रबंधक (वै./यां.) एवं अतिथि संकाय के रूप में श्री रामप्रकाश यादव, हिंदी प्राध्यापक, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित थे। कार्यशाला में उपस्थित संयंत्र प्रमुख, अतिथि संकाय एवं कार्यशाला में भाग लेनेवाले सभी प्रतिभागियों का श्री विजय कुमार, उप-महाप्रबंधक (मा.सं.) द्वारा स्वागत किया गया। श्री जे.एल. दास, उप-महाप्रबंधक (वै./यां.) ने कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी एक सरल और सहज भाषा है। अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित श्री रामप्रकाश यादव, हिंदी प्राध्यापक, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला के दौरान उपस्थित सभी प्रतिभागियों को राजभाषा हिंदी की विस्तृत जानकारी प्रदान की, गूगल वायस टंकण, मोबाइल में हिंदी टंकण आदि के बारे में बताया। उसके बाद उन्होंने हिंदी शिक्षण योजना के अन्तर्गत प्रबोध, प्रवीण, प्राज्ञ और पारंगत पाठ्यक्रम के प्रशिक्षण के बारे में जानकारी दी।

कामेंग जल विद्युत परियोजना

दिनांक 15.02.2020 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्दघाटन प्रभारी परियोजना प्रमुख, श्री राजुमणि सोनोवाल, मुख्य महाप्रबंधक (सी), नीपको लि., काहेप, किमि द्वारा किया गया। कार्यशाला में श्री कुल प्रसाद उपाध्याय, सहायक निदेशक, राजभाषा, तेजपुर विश्वविद्यालय तेजपुर, नपाम, असम को संकाय सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

ईश्वर से की गई प्रार्थना इन शक्तियों को विकसित करने में मदद करती है। - अब्दुल कलाम

कोपिली जल विद्युत संयंत्र

दिनांक 30.12.2019 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन श्री मोहन चंद्र दिहिंग्या, महाप्रबंधक (सी) एवं संयंत्र प्रमुख प्रभारी, खेप, उमरॉग्सों ने किया। श्री मोहन चंद्र दिहिंग्या, महाप्रबंधक(सी) एवं संयंत्र प्रमुख प्रभारी, खेप, उमरॉग्सों ने अपने संबोधन में कहा कि सरकारी कर्मचारी होने के नाते हम सभी का दायित्व है कि हम अपना दैनिक कामकाज राजभाषा हिंदी में करें। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। श्री गौतम कुमार, सहा.प्रबंधक (सी),खेप, उमरॉग्सों को कार्यशाला में संकाय सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था।

एजीटीसीसीपीपी

दिनांक 21 दिसम्बर, 2019 को एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में श्रीमती देबजानी दे(हलदर), मुख्य महाप्रबंधक (वै/यां) ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम दैनंदिन कार्य में हिंदी टिप्पणी का प्रयोग कर रहे हैं अब इसे बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। अत: इस कार्यशाला में अपने दैनंदिन कार्यालयीन कार्य में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने पर संकाय सदस्य श्री प्रफुल्ल कुमार से चर्चा कर उसका समाधान करने की सलाह दी एवं कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं।

लोगों के लिए उदाहरण स्थापित करना दूसरों को प्रभावित करने का एक मात्र साधन है। -अल्बर्ट आइंस्टीन

रंगानदी जल विद्युत संयंत्र

दिनांक 30/10/2019 को एक दिवसीय हिंदी कार्याशाला का आयोजन श्री सौगत दास, उप-महाप्रबंधक (मा.सं.) एवं संयोजक राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रेहप की अध्यक्षता में किया गया। उप-महाप्रबंधक (मा.सं.) एवं संयोजक ने अपने भाषण में सभी प्रतिभागियों को इस हिंदी कार्यशाला के माध्यम से राजभाषा को और समृद्ध करने हेतु अपने कार्यालय के दैनिक कार्यों में अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी के प्रयोग करने पर बल दिया।

श्री रामेन्द्र प्रसाद तिवारी, वि.के.वि. हिंदी शिक्षक, नीपको ने वाक्य रचना, राजभाषा नियमों के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ कुछ देशज एवं विदेशज शब्दों की जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के अंत में श्री तरून कुमार, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक, रेहप के द्वारा रंगानदी जल विद्युत संयंत्र के मानव संसाधन विभाग की तरफ से मुख्य अतिथि महोदय एवं सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

नीपको मुख्यालय कार्यालय, शिलांग में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक श्री अनिल कुमार, निदेशक (कार्मिक) की अध्यक्षता में नियमित रूप से आयोजित की जाती है। निगम के कारपोरेट मुख्यालय के साथ-साथ इसके नियंत्रणाधीन संयंत्र/परियोजना एवं अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने एवं दिशा-निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए बैठक में विस्तृत रूप से चर्चा की जाती है तथा राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष, निदेशक (कार्मिक) द्वारा दिए गए निदेशों एवं सुझावों का अनुपालन सुनिश्चित करने का पूरा प्रयास किया जाता है। दिनांक 20.08.2020 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वीडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। उन्होंने यह सुझाव दिया गया कि जबतक कोविड-19 महामारी की स्थिति अनुकूल नहीं हो जाती है तबतक इस महामारी के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निदेशों का पालन करते हुए राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वीडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से वर्चुअल बैठक आयोजित की जाए। इस पर समिति के सभी सदस्यों ने सहमति जताई।

लोगों के लिए उदाहरण स्थापित करना दूसरों को प्रभावित करने का एक मात्र साधन है। -अल्बर्ट आइंस्टीन

कंचन भूषण पाल
उप-महाप्रबंधक(सिविल)
निगमित योजना,शिलांग

पावर सेक्टर- में कोविड -19 का प्रभाव - एक परिदृश्य

कोविड -19 कोरोनावायरस को पहली बार दिसंबर 2019 में चीन के वुहान प्रांत में पहचाना गया था और तब से यह एक वैश्विक स्वास्थ्य खतरा बन गया है। यह 140 देशों को प्रभावित कर रहा है तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसे वैश्विक महामारी घोषित किया है। बिजली उद्योग प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। कोविद -19 के कारण पावर सेक्टर के प्रमुख हितधारक उत्पादन और आपूर्ति पर पड़ने वाले इसके प्रभाव के बारे में चिंतित हैं। रिपोर्टों के अनुसार कई ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियों ने परिचालन की निरंतरता की गारंटी के लिए सुरक्षा उपाय किए हैं। लेकिन कोई नहीं जानता कि कोरोना का प्रभाव कब गायब हो जाएगा। ऐसा लगता है कि कंपनियों और राष्ट्रों के बीच प्रतिस्पर्धाएं हैं, जो कोरोना टीकों के साथ सफलतापूर्वक सामने आएंगी। तबतक सभी तरह के सुरक्षा उपाय, सामाजिक दूरियां आदि जीवन का मार्ग हैं और हमें इसे स्वीकार करना चाहिए। कोरोना के बारे में बहुत सारी अनिश्चितताओं के साथ पूरी मानवता अवन्नति की ओर है और इसके अंत की प्रतीक्षा कर रही है ताकि पुनः सामान्य स्थिति बहाल हो सके।

अल्पकालिक प्रभाव

लॉकडाउन के दौरान, हमने ऊर्जा प्रणाली और ऊर्जा क्षेत्र पर व्यापक रूप से महत्वपूर्ण प्रभाव देखा है

- आने वाले महीनों में, प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप, हमें सभी प्रमुख ईंधन के उपयोग में कमी देखने की संभावना है।
- पावर स्टेशन आम तौर पर शहरों से दूर स्थित होते हैं और स्थानीय अधिकारी कुछ मामलों में कड़े वजीफे डाल रहे हैं जिससे जनशक्ति की आवाजाही और सामग्रियों के परिवहन की कुल श्रृंखला प्रभावित होती है।
- बिजली की मांग के संबंध में, हालांकि यह देखा जा सकता है कि आवासीय खपत पर इसका बड़ा प्रभाव बाकी अर्थव्यवस्था से विपक्षी कटौती को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है।
- घर से काम करने वाले या काम के स्थानों पर जाने से रोकने के साथ, कई क्षेत्रों और वाणिज्यिक बिजली की खपत में उल्लेखनीय गिरावट आई है
- लॉकडाउन की शुरुआत के बाद से, पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में कुल बिजली की मांग में गिरावट आई है।
- पावर सेक्टर से जुड़े कई निर्माण उद्योग ने भी अपनी नौकरी खो दी है।

दीर्घकालिक प्रभाव

भारतीय ऊर्जा प्रणाली पर कोरोनोवायरस महामारी के दीर्घकालिक प्रभावों का आकलन करना मुश्किल है, लेकिन हम उनमें से कुछ को मोटे तौर पर देख सकते हैं।

- कोरोनावायरस के परिणामस्वरूप लंबे समय तक चलने वाला आर्थिक प्रभाव होगा, जिससे मंदी का सामना करना पड़ सकता है।
- आर्थिक गतिविधि सीमित होने के कारण महत्वपूर्ण ईंधन की मांग कम रहेगी।
- पूंजी-गहन ऊर्जा परियोजनाओं की आपूर्ति के लिए वित्त की उपलब्धता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। कई बिजली परियोजनाओं को जिनके लिए बड़े पूंजी निवेश की आवश्यकता होती है, नुकसान की संभावना है। पर्याप्त पूंजी प्रदान करने के लिए उपयुक्त उपाय करने पड़ सकते हैं।
- प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप एक प्रभाव जो हम पहले से ही देशों के बीच देख रहे हैं, वह कुछ वस्तुओं के व्यापार पर लगाई गई सीमाएं हैं। चीन से निकलने वाले सामान पर व्यापार प्रतिबंध के परिणामस्वरूप कुछ सौर परियोजनाओं में देरी हुई है।फिर भी, आज हम जो कुछ बदलाव देखते हैं, वे ऊर्जा प्रणाली के सकारात्मक प्रभाव और जीवन जीने के तरीके में बदलाव ला सकते हैं। कंपनियां और उनके कर्मचारी खुद को रिमोट से काम करने की व्यवस्था से परिचित करा रहे हैं, जिसे अगर कुछ हद तक बरकरार रखा जाता है, तो इससे यात्रा व्यय और व्यावसायिक इमारतों में इस्तेमाल होने वाली ऊर्जा की मात्रा कम हो जाएगी।
- मेट्रो क्षेत्र स्थानीय वायु गुणवत्ता पर कम जीवाश्म ईंधन के दहन के लाभों को देख रहे हैं, जिन्होंने समुदायों को भविष्य की झलक प्रदान की है, यदि वे परिवहन के स्वच्छ रूपों को आगे बढ़ाने के लिए हैं।

कोरोनावायरस के प्रकोप के परिणामस्वरूप लॉकडाउन निस्संदेह भारत की ऊर्जा प्रणाली के लिए एक महत्वपूर्ण झटका और हमारे सामान्य जीवन के लिए और भी अधिक झटका दर्शाता है। फिर भी, इस समय के दौरान, महत्वपूर्ण सबक है जो हम यह भी सीख सकते हैं कि हमें जीवन जीने के तरीके लक्षित करने में हमारी मदद करने की क्षमता है।

- इससे बिजली की मांग में कमी आई है
- उपभोक्ता लॉकडाउन के कारण वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) को अपने बकाये का भुगतान करने में असमर्थ हैं और इससे डिस्कॉम की तरलता स्थिति प्रभावित हुई है, जिससे जेनरेटिंग और ट्रांसमिशन कंपनियों को भुगतान करने की उनकी क्षमता क्षीण हुई है।
- जनशक्ति, ईंधन और अन्य सामग्रियों की आवाजाही में व्यवधान के कारण बिजली उत्पादन परियोजनाओं के संचालन पहले से ही प्रभावित हैं।

यहां तक कि जब वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट नियंत्रण में आता है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान समाप्त हो जाता है, तो व्यापार तुरंत सामान्य नहीं होगा। जैसा कि सामान्य रूप से सभी प्रकार के उद्योग के लिए सच है, बिजली क्षेत्र सभी प्रकार के मुद्दों का सामना कर रहा है ।

बालकों में उत्सुकता तो ज्ञान की भूख मात्र है। - जान लॉक

कार्य संस्कृति में बदलाव : विभिन्न प्रकार की बैठकों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया है। माइक्रोसॉफ्ट टीम, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आदि जैसे कई ऐप अब बहुत अच्छी तरह से काम कर रहे हैं और सभी इसे अपना रहे हैं जो कोविड-19 के बाद भी जारी रहने की संभावना है। घर से काम भी एक विकल्प है जिसका पालन कई कंपनियां करने जा रही हैं।

संकट के दौरान अवसर : जबकि घातक कोरोनावायरस दुनिया भर में फैला है, स्वास्थ्य सेवा और संबंधित उद्योग के बीच पावर बैकअप (यूपीएस) की भारी मांग है। कई अस्पताल / नर्सिंग होम कोरोनोवायरस परीक्षण के लिए परीक्षण सुविधा केंद्र बना रहे हैं, यह स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र का समर्थन करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। अस्पतालों के साथ संयुक्त रूप से यूपीएस निर्माता यूपीएस बना रहे हैं और तत्काल मांग पर आपूर्ति कर रहे हैं।

निष्कर्ष : कम से कम लंबे समय तक, बिजली चक्र के कई चरणों में यह अपेक्षित है - निर्माण से लेकर उत्पादन और फिर ट्रांसमिशन और वितरण तक, बिजली कंपनियों का समर्थन करने वाले विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों की कम मांग के अनुरूप प्रभाव के साथ।
लेकिन अन्य क्षेत्रों के विपरीत, पावर सेक्टर वापस उछाल देगा क्योंकि यह घरेलू और साथ ही उद्योग के लिए जीवन रेखा की बुनियादी आवश्यकता है। लेकिन केंद्र और राज्य सरकार के समर्थन के साथ पावर सेक्टर के हितधारकों के लगातार प्रयासों को मूल स्थिति में वापस आना होगा।

विपत्तियों में ही लोग अपनी शक्ति से परिचित होते हैं, समृद्धि में नहीं।- अज्ञात

प्रार्थना

ललछन्दमा चांग्सन
(सहायक-I)
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

हे प्रभु, तेरा शुक्रिया।

इस संसार की श्रृष्टि के लिए, जिसे तुमने है रचा ....
दिये तूने हम मानवों को सुनने के लिए कान
देखने के लिए ऑखें
छूने के लिए हॉथ
चलने के लिए पैर
बोलने और खाने के लिए मुँह
और दी तुमने बुद्धि सिर्फ हम इंसानों को
धन्यवाद है ईश्वर, तेरा नमन करें किस जुबान से यह प्रण ।

दी शक्ति और विवेक, डाली इस निर्जीव शरीर में जान।

बसाया तूने 'मन को इस शरीर में, जो समझें, जाने, महसूस करें तेरी प्यारऔर
महिमा की पहचान ।

ये मन जो जाने प्यार क्या ये मन जिसने महसूस है सब किया
हे ईश्वर, तेरा शुक्रिया
इस जीवन के हर उस मोड़ तेरी श्रृष्टि की महिमा को करूँ शुक्रिया भी कम हो।

सारी गलतियों को समझ इंसान माफ करना, यही है मेरी प्रार्थना।

तेरी अच्छाई से पाकर हौसला हम बने बेहतर
यह प्रार्थना है मेरी, हमें मजहब में नहीं इंसानियत में परखना।

यही है मेरी प्रार्थना
हे ईश्वर, तेरा शुक्रिया

जयन्त शर्मा,
महाप्रबंधक (सिविल)
निगमित योजना,शिलांग

रंगानदी जलविद्युत परियोजना के डाउनस्ट्रीम फ्लड पर कुशल जलाशय संचालन और अग्रिम चेतावनी प्रणाली के लिए नीपको का एक अभिनव प्रयास

उत्तरी ब्रह्मपुत्र के मैदानों में पानी बहना एक आम घटना है, जो दक्षिण की ओर बहने वाली नदी के नेटवर्क से होती है। असम के ज्यादातर उत्तरी हिस्से को प्रभावित करने वाले उप-हिमालयी तलहटी क्षेत्रों में बाढ़ की समस्या अधिक ध्यान देने योग्य है। हालांकि, इसे अक्सर हाइड्रो प्रोजेक्ट्स के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है और हर साल नीपको को असम के लखीमपुर जिले में रंगानदी बांध के नीचले इलाकों में बाढ़ का कारण बनने के लिए सारा दोष उठाना पड़ता है। इस संबंध में मीडिया कवरेज आम जनता को भ्रमित करता है और नीपको के ऊपर पूरा दोषारोपण लगाता है जबकि मानसून के दौरान रंगानदी बांध के गेटों के माध्यम से पानी छोड़ना एक नियमित प्रक्रिया है। हालांकि नीपको ने पानी छोड़े जाने के बारे में जिला प्रशासन और विभिन्न अन्य संगठनों को पहले ही सूचित कर देते हैं, लेकिन बांध के बहाव क्षेत्र में जल स्तर कितना स्तर तक बढ़ेगा,इसकी सूचना नहीं दी जा सकती है।

इस संबंध में नीपको ने व्यावहारिक क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी उन्नति लाने के लिए एक परियोजना शुरू की है ताकि बांध से पानी छोड़े जाने पर निम्न प्रवाह स्थानों (जहां मानव बस्ती, पशु चराई क्षेत्र आदि हैं) में बहाव क्षेत्र में जल स्तर की संभावित वृद्धि और उस स्तर को प्राप्त करने के समय की भविष्यवाणी की जा सकती है।इसे सरल तरीके से समझाने के लिए - मान लें कि हम एक निश्चित तिथि को सुबह 8 बजे जलाशय का पानी छोड़ेंगे, तो बाढ़ के पानी को बांध के 20 कि.मी. नीचे तक पहुंचने में 35 मिनट लगेंगे और बाढ़ के पानी के कारण उस स्थान पर नदी का जल स्तर पहले से सूचित हो सकता है। जब नदी का जल स्तर खतरे के निशान को छूता है तो साइरन के बजने को ट्रिगर करने के लिए सेंसर को नदी के संवेदनशील खिंचाव में रखा जाएगा।

उपरोक्त परियोजना को आईआईटी, गुवाहाटी को जनवरी 2020 में एक अनुसंधान एवं विकास परियोजना के रूप में सौंपी गई है, जिसे तीन वर्षों में पूरा किया जाना है। इस प्रणाली की कार्यप्रणाली को रंगानदी जलविद्युत परियोजना के जल अधिग्रहण क्षेत्र (यानी नदी में पानी का योगदान देनेवाले रंगानदी बांध के अपस्ट्रीम क्षेत्र) और इसके परिणामस्वरूप जलाशय के कुशल संचालन के लिए जलाशय में प्रवाह के साथ एकीकृत किया जाएगा। इसके लिए, पहले से ही 17 स्वचालित मौसम केंद्रों और 4 डिजिटल जल स्तर रिकॉर्डर को जलग्रहण क्षेत्र के कई निर्दिष्ट क्षेत्रों में स्थापित किया गया है और उपग्रह संचार के माध्यम से जोड़ा गया है। आईआईटी-गुवाहाटी के माध्यम से इस अनूठी प्रणाली के सफल विकास और उचित कार्यान्वयन से नीपको,रंगानदी बांध के निम्न प्रवाह क्षेत्र में नदी में जल स्तर की संभावित वृद्धि और इसके आने के समय की अग्रिम सूचित करना संभव होगा जब बांध के द्वार के माध्यम से पानी छोड़ा जाएगा। इससे मानसून के दौरान बाढ़ की स्थिति में अग्रिम तैयारी के लिए जिला प्रशासन तथा रंगानदी परियोजना के सभी निम्न प्रवाह क्षेत्र के लोगों को काफी मदद मिलने की उम्मीद है।

"गुरू का सत्कार"

जग मोहन
वरिष्ठ अनुरेखक,
नीपको दिल्ली

एक गाँव में गड़रियाँ रहता था। वह पशुओं को लेकर चराने के लिए जंगल जाया करता व शाम होने पर तालाब पर पानी पीने के लिए लाता था। एक दिन उसने देखा कि एक बगुला चोंच से मछली पकड़ता व ऊपर उछाल कर अपने मुँह में ले जाता। यह घटनाक्रम वह काफी दिनों तक देखता रहा। एक दिन उसको ख्याल आया कि मैं भी करके देखता हूँ उसने लकड़ी का छोटा टुकड़ा लिया व हवा में उछाला और मुँह से पकड़ लिया। फिर धीरे-धीरे वह लकड़ी का टुकड़ा बड़ा करके यह अभ्यास करता रहा। इस प्रकार से एक दिन वो खेती करने वाले हल को हवा में उछाला व मुँह से पकड़ लिया। अपना यह कारनामा वो लोगों को दिखाकर वाह-वाई लुटने लगा। एक दिन जब वह यह कारनामा दिखा रहा था तो एक व्यक्ति ने उससे पूछा कि तुम्हारा गुरू कौन हैं। उसने बोला कि मेरा गुरू कोई नहीं हैं। तब उस व्यक्ति ने कहा कि एक बार फिर से करके दिखाओ। इस बार जब उसने वही घटनाक्रम दोहराया तो हल सीधा उसके गले में उतर गया व उसकी मृत्यु हो गई। उस गड़रिये का गरू वह बगुला था, जिसे देखकर उसने सीखा था। अत: हमें अपने गुरू का आदर व सत्कार जरूर करना चाहिए।

संग्रहित- कार्यशाला संदर्शिका

कार्यालयीन हिंदी का स्वरूप

संविधान के अनुसार देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी संघ की राजभाषा है और उसके अनुवालन के लिए संविधान में कई व्यवस्थाएँ की गई हैं। इसी व्यवस्था के अंतर्गत अनुच्छेद 351 के अनुसार-संघ का यह कर्तव्य होगा कि वह हिंदी भाषा का प्रसार बढ़ाए, उसका विकास करे जिससे वह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके और उसकी प्रकृति में हरतक्षेप किए बिना हिंदुस्तानी में और आठवीं अनुसमची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रूप, शैली और पदों को आत्मसात करते हुए और जहाँ आवश्यक या वांछनीय हो वहाँ उसके शब्द भंडार के लिए मुख्यत: संस्कृत से और गौणत: अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण करते हुए उसकी समृदधि सुनिश्चित करे।

सरकारी पत्र-व्यवहार और टिप्पणी लेखन की भाषा सामान्य बोलचाल की भाषा से थेड़ी भिन्न होती है, फिर भी इस भाषा के समीप ही रखा जाना चाहिए। कार्यालयीन हिंदी का संपूर्ण स्वरूप सरकारी कामकाज की कार्य प्रणाली और उसके पीछे निहित सिदधांतों द्वारा निर्धारित होता है।

कार्यालयीन भाषा की प्रमुख विशेषाताएँ इस प्रकार हैं -

1. सरल एवं स्पष्ट भाषा - प्राय: यह समझा जाता है कि हिंदी भाषा में टिप्पणी एवं प्रारूप लिखना कठिन है लेकिन कोई भी भाषा सरल या कठिन नहीं होती। भाषा की जानकारी न होना ही भाषा को कठिन बनता है क्योंकि भाषा एक नदी की भाँति होती है। उसकी धारा में जो भी आता है वह उसी का हो जाता है अत: दैनिक कार्यों के माध्यम से जितनी अधिक हिंदी भाषा और उसके शब्दों से परिचय होगा वह उतनी ही सहज व सरल लगेगी।

   प्रारंभ में **प्रदूषण** शब्द बड़ुत ही कठिन व अटपटा लगता था किंतु अब प्रदूषण शब्द बहुत ही सहज व सरल लगता है। कार्यालय में प्रयुक्त हिंदी इतनी सरल होनी चाहिए कि दूसरे अधिकारी व कर्मचारी आसानी से समझ सकें। कार्यालयीन हिंदी में द्वि-अर्थी और अटपटे शब्दों के प्रयोग से बचना चाहिए। यही वजह है कि कभी कभी प्रबुद्ध लोग जब फाइल पर अपने पांडित्य का प्रदर्शन करने लगते हैं तो भाषा विस्तार के साथ-साथ मामले की तह तक पहुँचने में और मामले पर शीर्ध कार्रवाई करने में काफी विलंब हो जाता है। उदाहरण के लिए **इसे मंजूरी दे सकते ठीक होगा** के स्थान पर इसे **मंजूरी दी जा सकती है** का प्रयोग किया जाना चाहिए।

2. संक्षिप्तात - सरकारी कामकाज की भाषा संक्षिप्त होनी चाहिए। संक्षिप्तता के साथ ही इस बात का भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि टिप्पणी व प्रारूप में वे तथ्य छूट न जाएँ जिनका उल्लेख करना आवश्यक है। विचार स्पष्ट करने के लिए विस्तार अधिक हो सकता है परंतु अनावश्यक विस्तार नहीं होना चाहिए।
   जैसे- **आपका लंबा, विस्तार भरा पत्र मिला** के स्थान पर **आपका दिनांक ...... का पत्र सं. ..... मिला** का प्रयोग किया जाना चाहिए। अत: भाषा निश्चित एवं संक्षिप्त होनी चाहिए।

3. अर्थ की स्पष्टता - कार्यालयीन भाषा का मुख्य कार्य विचारों को बिना लाग-लपेट के संबंधित व्यक्ति तक पहुँचाना होता है। इस रूप में अच्छी भाषा उसी को माना जाएगा जिसका केवल वही अर्थ निकले जो लिखने वाला संप्रेषित करना चाहता है। द्वि-अर्थी या अनेकार्थी होना साहित्यिक भाषा का गुण माना जाता है। कामकाजी हिंदी में यक एक अवगुण होता है।

4. दूसरी भाषाओं के प्रचलित शब्दों का प्रयोग- प्रत्येक तीवंत भाषा में यह क्षमता होती है कि वह दूरी भाषा के शब्दों को अपने में समाहित करते हुए अपनी भाषा में समृद्धि करे। दसी के अनुरूप मुगलों के शासनकाल में अरबी, फारसी के तथा अंग्रेजों के शासन काल में अंग्रेजी भाषा के हजारों शब्द हिंदी भाषा में समहित हो गए। भारत सरकार की नीति है कि अंग्रेजी के शब्दों के प्रयोग में किसी भी प्रकार की हिचक नहीं होनी चाहिए। अंग्रेजी के अनेक शब्द जैसे रजिस्टर, टाइपिस्ट, टिकट, टोकन आदि का बहिष्कार किसी भी दृष्टि से हिंदी की समृद्धि के लिए हितकर नहीं माना जा सकता।

5. वाक्य विन्यास- कामकाजी हिंदी में आवश्यकतानुसार दूसरी भाषाओं के शब्दों को अपनाया जा सकता है। लेकिन पद रचना तथा वाक्य रचना हिंदी की प्रकृति के अनुकूल ही होनी चाहिए। यद्यपि किसी भी जीवंत भाषा पर दूसरी भाषाओं का प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है किंतु यह प्रभाव उस भाषा

के मूल स्वरूप को विकृत न करे, यह ध्यान रखना आवश्यक है। इस दृष्टि से बैंक शब्द का बहुवचन के मूल स्वरूप को विकृत न करे, यह ध्यान रखना आवश्यक है। इस दृष्टि से बैंक शब्द का बहुवचन बैंकों होना चाहिए न कि अंग्रेजी के बहुवचन रूप बैंक्स को ही यथावत लिया जाए। इसी क्रम में चेक का बहुवचन चेकों होगा न कि चैक्स।

वाक्य स्तर पर वाक्य- रचना हिंदी की प्रकृति के अनुकूल हो। उदाहरण के लिए पेड़ से गिरने वाला लड़का आज मर गया वाक्य अंग्रेजी रूपांतर The boy, who fell from the tree, died today के प्रभाव के कारण वह लड़का, जो पेड़ से गिरा था मर गया के रूप में प्रयोग किया जाता है जो हिंदी भाषा की प्रकृति के अनुकूल नहीं है।

इस प्रकार दूसरी भाषा के प्रभाव से बचना चाहिए। हमें अंग्रेजी में सोचकर या लिखकर उसका अनुवाद करने की अपेक्षा मूल लेखन ही हिंदी में करना चाहिए तभी भाषा की स्वाभाविकता बनी रह सकती है।

6. शब्दों की मितव्ययिता - कर्मचारियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपना कामकाज यथाशीघ्र निपटाकर कार्यालयीन प्रक्रिया को गति प्रदान करें। अत: यह आवश्यक हो जाता है कि कम से कम शब्दों में अपनी बात कही जाए। इसी प्रकार मितव्ययिता को ध्यान में रखते हुए चर्चा करें, निरस्त, स्वीकृत, अनुमोदित, जारी करें आदि का प्रयोग किया जाता है। इसी प्रकार पत्राचार में भी आवश्यकता से अधिक शब्दों का प्रयोग न केवल श्रम को बल्कि भाषिक सौंदर्य को नष्ट भी करता है साथ ही अर्थ का अनर्थ होने की संभावनाएँ भी बढ़ती हैं। उदाहरण के लिए ---

   भयंकर सूखा पड़ने से और वर्षा न होने से फसल खराब हो गई के स्थान पर भयंकर सूखे से फसल खराब हो गई का प्रयोग किया जाना चाहिए।

7. एकरूपता - राजभाषा आयोग एवं संसदीय राजभाषा समिति ने भाषा की एकरूपता पर विशेष बल दिया। उनका मत था कि जब तक भाषा में एकरूपता नहीं होगी, तब तक वह कठिन रहेगी तथा देश को एक सूत्र में भी नहीं बाँधा जा सकेगा।

   इन निर्देशों के अनुपालन के अभाव में एक ही शब्द के लिए भिन्न राज्यों में अलग- पर्याय प्रयोग में आ रहे हैं जैसे- के पर्याय के रूप में श्रेणी, कोटि (केंद्र) प्रकार (म.प्र.) प्रवर्ग (बिहार) तथ मद, निकाय (राजस्थान) प्रयोग हो रहा है। इन सबके निवारण के लिए ही सरकार द्वारा शब्दावली निर्माण आयोग द्वारा अनुमोदित शब्दावली के प्रयोग का आग्रह किया गया है।

8. सुसंस्कृत/ सभ्य भाष का प्रयोग- कार्यालयीन भाषा सुसंस्कृत, सभ्य एवं शिष्ट होनी चाहिए। पहले किसी के निर्णय यदि गलत साबित हुए हों तो यह न कहा जाए कि- व इतना मूर्ख था कि इतना भी उसकी समझ में नहीं आया के स्थान पर उस समय इन बातों पर विचार नहीं किया गया। लिखा जाना चाहिए। कार्यालयीन हिंदी में कर्म वाच्य का प्रयोग अधिक किया जाता है।

   हर भाष की अपनी शैली, अभिव्यक्ति की पद्धति होती है। अत: अनुवाद की अपेक्षा चिंतन कार्य करने वाली भाषा का प्रयोग किया जाए, ताकि भाषा में स्वाभाविकता बनी रहे। चूंकि इसमें व्यक्ति की अपेक्षा पदनाम प्रमुख होता है। अत: यहॉ अधिकारी की ओर से सभी कार्य आदेश, अनुमोदन,

सहमति, स्वीकृति व अनुदेश के आधार पर किए जाते हैं। इसलिए इसमें आदेशात्मक, सुझावात्मक, कथनात्मक वाक्यों का प्रयोग किया जाता है।

आदेशात्मक वाक्य - जिनमें कर्ता वाक्य संरचना में निहित है।

1. मिसिल पर प्रस्तुत करें।
2. चर्चा के अनुसार मसौदा पुन: प्रस्तुत करें।
3. मंत्रालय का अनुमोदन प्राप्त करें।

कर्म वाच्य प्रधान आदेशात्मक वाक्य।

1. मिसिल पर प्रस्तुत किया जाए।
2. चर्चा के अनुसार मसौदा पुन: प्रस्तुत करें।
3. मंत्रालय का अनुमोदन प्राप्त किया जाए।

इसी के अंतर्गत -

1. मिसिल के लौटने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।
2. मुख्यालय छोड़ने की अनुमति दी जाती है।

कर्ता का लोप -

1. सूचित किया जाता है ....
2. शिकायत मिली है कि ....
3. ऐसा पाया गया है कि ....

उक्त उदाहरणों से स्पष्ट है कि कार्यालयीन हिंदी की वाक्य संरचना सामान्य हिंदी की वाक्य संरचना के अंदर रहकर भी चयन के सिद्धांत पर आधारित है। कार्यालयीन हिंदी में कर्म वाच्य की प्रधानता है, जो इसकी प्रकृति के अनुसार स्वाभाविक ही है।

कभी कभी हमे स्वयं को बताने की यह जरूरत पड़ती है की हम दूसरों को क्या दे सकते हैं। -डॉ फिल

अरूण कुमार प्रधान, उप-प्रबंधक (हिंदी)
नीपको लि., शिलांग

राजभाषा हिंदी

हमारे संविधान निर्माताओं ने हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकृत किया है। भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार राजभाषा हिंदी के प्रति सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों में जागरूकता उत्पन्न करने, हिंदी में अपना सरकारी काम करने में होनेवाली झिझक को दूर करने और राजभाषा नीति की व्यापक जानकारी देने के लिए हिंदी कार्यशाला,हिंदी भाषा,शब्द संसाधन,टंकण,अनुवाद के लिए प्रशिक्षण का प्रावधान है। 14 सितम्बर हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। राजभाषा के प्रति लोगों के हृदय में एक सशक्त भाषा-दृष्टि विकसित करने में हिंदी दिवस का आयोजन काफी उपयोगी सिद्ध हुआ है। इससे देश-समाज में हिंदी की स्वीकृति काफी बढ़ गई है। अब यह मात्र प्रशासन की भाषा नहीं है। यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भाषा हो गई है। राजभाषा हिंदी के विकास में हिंदी भाषी लोगों की तरह हिंदीतर प्रदेशों के लोगों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। हिंदी का एक नया रूप सामने आया है। उसे अधिकाधिक संप्रेषणीय बनाने के कई प्रयास किए जा रहे हैं। इस तरह हिंदी का यह नया रूप भारत की मुख्य भाषा के रूप में उसे स्थान दिलाने में मदद पहुंचा रहा है। शुरुआत में हिंदी दिवस से जुड़े कई कार्यक्रम सांविधानिक आपूर्ति के हेतु चलाए जाते थे। लेकिन आज स्थिति बदल गई है। हिंदी के अनुवाद कार्य को सुगम बनाने के लिए आजकल सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं, जिनके जरिये हिंदी के अनुवाद में विशेष सहायता मिलती है। हिंदी की वेबसाइटों के उपभोक्ताओं की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। समय के अनुसार आजकल राजभाषा हिंदी अपनी सीमाओं से बाहर आ चुकी है। वह नई प्रौद्योगिकी, वैश्विक विपणन तंत्र और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की भाषा बन रही है। राजभाषा से एक नई वैश्विक भाषा के रूप में हिंदी बदल रही है। आज के समय में हिंदी राजभाषा के साथ-साथ एक जन भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

(तरुन कुमार)
वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक, रेहप

हे कोरोना

हे कोरोना, हे कोरोना, विश्व पर दया करो ना
उग्र रूप देखा है हमने, अब जग को प्रेम से भरो ना ।
भूल हुई हम सब से ही तो, प्रलय का रूप कोरोना
हे कोरोना, हे कोरोना, विश्व पर दया करो ना

बूढ़े, बच्चे घर पर ही हैं, गलियाँ खाली पथ विरान हैं ।
दो गज की अब दूरी भी है, अब तुम बस भी करो ना
हे कोरोना, हे कोरोना, विश्व पर दया करो ना

प्रकृति का पाठ तुमने पढ़ाया, पल-पल यह एहसास दिलाया ।
जीव- जन्तु के पीड़ा का, तुमने हमको अर्थ बताया
हे कोरोना, हे कोरोना, विश्व पर दया करो ना

मंदिर के अब द्वार हैं खाली, मस्जिद के भी द्वार है खाली
भूल हुई क्या हम जन मानस से, पल पल ज्ञात हुई ना ।
हे कोरोना हे कोरोना, विश्व पर दया करो ना

आने वाले पीढ़ी को हम, ज्ञान अवश्य यह देंगे ।
प्रकृति को प्यार है करना, बिन प्रकृति के हम न बचेंगे
हे कोरोना हे कोरोना, विश्व पर दया करो ना

विद्यालय अब बंद पड़े हैं, बच्चों के भविष्य सन्न पड़े हैं।
अगर ज्ञान दीप न जले तो, करना पड़ेगा रोना
हे कोरोना हे कोरोना, विश्व पर दया करो ना ।

आखिर मन तो "माँ" की है

नौ महीनें आपने मुझे अपने कोख में है रखा ।
हर पल हर दर्द को आपने है सहा ।।
हर युग में हर घर की यही कहानी है ।
जिंदगी की शुरूआत "माँ" की जुबानी है ।।
जब बच्चे थे तब बोलने की शुरुआत "माँ" से हुई ।
धीरे-धीरे उंगली को पकड़ा और जीवन की शुरूआत ममता से हुई ।
कभी कहा बाबू यह खा ले, कभी कहा बाबू यह एक कौर खा ले
फिर भूख का एहसास, आपके हाथों से हुई ।

साधारण और असाधारण व्यक्ति के बीच का अंतर थोड़ा सा अतिरिक्त है यही अतिरिक्त उस व्यक्ति को असाधारण बनाता है। -अज्ञात

अब बारी थी प्रथम ज्ञान की, जिसकी शुरूआत आपने "क" से कराई ।
विद्यालय को जाने लगे हम, अब तो आपकी हाथो की बनाई टिफिन है भायी।
जीवन के मोड़ में नौकरी पाया, अब दूर है काफी लेकिन यादें आपकी है सताई।
अब तो ऑफिस और काम, हर वक्त यही याद आने लगी है
रातों को जब सोता हूँ, तो माँ की लोरी याद आने लगी है ।
लेकिन जीवन के इस कशमकस में, एक बात दिल को है भायी
जब भी माँ से बात हुई, दिल से एक ही बात है आई ।
बेटा खाना खाया , क्या खाया ?
फिर मेरे दिल में यह ख्याल आया की
आखिर मन तो "माँ" की है ।।।

जीवन का सत्य

फ्रेसिया मेरी खारबुली, वरि. हिंदी अनुवादक
पाहेप, नीपको लि.,
दोईमुख, अरूणाचल प्रदेश

हे मानव।
जीवन की सच्चाई में विश्वास करो
सिर पर छत, तन पर कपड़ा और
पेट में दो रोटी, यही है जीवन का सत्य,
दूसरों पर क्यों हॅसते हो?
अपाहिज पर क्यों हॅसते हो?
ईश्वर का धन्यवाद करो।
कम से कम दो रोटी तो मिलती है।
स्वयं को सम्पन्न मान कर,
अभिमान मत करो,
किसी को तुच्छ मत समझो,
क्योंकि सूई का भी अपना महत्व है।
आकाश में उड़ो
कठोर धरातल पर रहो,
खोखले आदर्शों पर मत चलो
सब कुछ मिथ्या है,
रोटी, कपड़ा और दो गज जमीन
यही जीवन का सत्य है।
जिस दिन इस यथार्थ को समझ जाओगे तुम सबसे अमीर होगे।
क्योंकि तब न तुम्हारी आशाएं होंगी न आकांक्षाएँ
तुम यथार्थ में होगे और यही जीवन का सत्य है।

संग्रहित

कलम या तलवार : कौन ज्यादा शक्तिशाली है ?

कलम और एक तलवार में कितना अंतर है। पहला वाला एकदम छोटा चीज है जो किसी पर एक खरोच तक आने नहीं देता। दूसरा तो एक बड़ा हथियार है जो किसी की जान भी ले सकता है। देखा जाए तो, तलवार को कलम भी हरा नहीं सकता। लेकिन अगर हम गंभीरता से सोचे तो क्या कलम तलवार से जीत सकती है ? अवश्य हाँ। लोग सोचते हैं कि तलवार की तेज धार से कितनी जाने जा सकती है। यह जरा सा शरीर को छू ले तो धराधर खून निकलना शुरू हो जाता है। इससे कौन नहीं डरता। शैतान के सामने यह रख दें तो वह भी शैतानी से हार मान जाता है। आखिरकार यह किसी की जान जो ले सकता है। घबराहट तो पैदा होती ही है। दूसरी तरफ है कलम, लोगों की यह भावना है कि यह छोटी सी चीज कोई खास काम का नहीं होती। ऐसा है यह बस खरीदा जाता है, इससे लिखा जाता है और फिर जब काली खत्म हो जाए, तो अब यह किस काम का? तो इसे फेक दिया जाता है। यदि हम इन दोनों के तात्पर्य को समझे तो बात अलग ही होती है। एक तलवार 'खून करता है, यह तो बहुत घृणास्पद बात है। लेकिन एक कलम रचनाएँ रचती है' जो कि सदियों बाद भी याद रखी जाती है। महाकवियों तथा लेखकों का यह सच्चा मित्र होता है। इससे हमें यह सीख मिलती है कि चाहे तलवार कितना भी बड़ा हो या लोग इससे घबराएँ, कलम ऐसी लेख लिख जाता है, जो कभी नहीं मिटती, चाहे काली खत्म ही क्यों न हो जाए। वैसे ही हमें अपने जीवन में ऊपरी बल को नहीं बल्कि भीतरी बल को पहचानना चाहिए। वही हमें आगे बढ़ने में सहायता करेगी। दुनिया से हमारी जान चली जाएगी लेकिन नाम नहीं जाएगी।

प्रियम सिंह, कक्षा - VIII
सुपुत्री - श्रीमती मधु कुमारी
नीपको लि., शिलांग

उम्मीद

सपनों की उड़ानों में
खुशियों के फसानों में निकल पड़े हम तो
उम्मीदों के गलियारों में
भूल आए हैं सबकुछ
वो खामोशी, वह अकेलापन।
बाँध लिया है हमने
आशाओं से अपना दामन
प्यार देकर प्यार पाना
बन गया जिन्दगी का फसाना
शायद कोई उम्मीद ऊंगली पकड़ ले जाए,
बीती हुई कहानी कोई सबक दे जाए।
हमने तो यही सीखा है
कभी किसी का दिल न दुखाना
खोकर सबकुछ पाने चले हैं,
उम्मीदों के दीपक जलाने चले हैं।

जल विद्युत ऊर्जा एवं इसका महत्व

पिंटु सिंह, सहायक (हिंदी)
ढेप, नीपको लि., दोयांग, नागालैंड

जल विद्युत

जो ऊर्जा जल से उत्पन्न होती है उसे जलविद्युत ऊर्जा कहते है, जल विद्युत ऊर्जा को 'हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर' भी कहा जाता है। जलविद्युत टर्बाइन घूर्णन से पानी द्वारा उत्पन्न बिजली को संदर्भित करता है। गिरने वाले पानी आमतौर पर टर्बाइनों को घूमने का कारण बनती है | जिसे घरों, कार्यालयों और उद्योगों में वितरित किया जाता है।

जलविद्युत ऊर्जा का महत्व

1. यह एक सुरक्षित विकल्प है: परमाणु ऊर्जा और जीवाश्म ईंधन के विपरीत है, जलविद्युत शक्ति से किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है।

2. जलविद्युत शक्ति पर भरोसा किया जा सकता है: जब तक पानी उपलब्ध हो, तब तक आपके पास इच्छित स्तरों की शक्ति होगी। कई विनिर्माण उद्योग इसे ऊर्जा के प्राथमिक स्रोत के रूप में उपयोग करते हैं।

3. जलविद्युत हरी ऊर्जा प्रदान करता है: जलविद्युत संयंत्रों को ग्रीनहाउस गैसों को जारी करने की आवश्यकता नहीं होती है। जलविद्युत स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करता है जो पर्यावरण को प्रदूषित नहीं करता है।

4. इसका पुन: उपयोग किया जा सकता है: जलविद्युत नवीकरणीय है। इसका स्रोत (पानी) का उपयोग बार-बार किया जा सकता है।

5. इसे विनियमित किया जा सकता है: पानी के प्रवाह को नियंत्रित करके आवश्यक वोल्टेज को निर्धारित करने के लिए जलविद्युत को समायोजित किया जा सकता है।

6. यह बाढ़ को रोकता है: जल विद्युत डैम, पानी के बहाव को नियंत्रित करता है और बाढ़ को रोकने में मदद करता है |

दोयांग पॉवर हाउस

दोयांग रिज़र्वर

कोविड -19 महामारी की रोकथाम के लिए नीपको के प्रयास

नीपको के कॉर्पोरेट कार्यालय स्तर पर नीपको कोर टीम का गठन कोविड-19 की रोकथाम तथा इसके प्रसार को कम करने की दिशा में उठाए गए सभी प्रयासों के समन्वय के लिए किया गया।

नीपको कोर टीम निम्नवत है :

पी.एस. बरठाकुर	मुख्य महाप्रबंधक(मा.सं.)	9435339712, 8787333727
जे. एन. सिंह	महाप्रबंधक(मा.सं.)	8132954087
स्वप्रकाश दत्ता	उप-महाप्रबंधक(मा.सं.)	9435733480
एन. के. मैतै	उप-महाप्रबंधक(मा.सं.)	8787494482
हेमंत बरूआ	उप-महाप्रबंधक(मा.सं.)	9436632420

इस संकट से निपटने के प्रयासों में समन्वय स्थापित करने और कार्य स्थल पर **कोविड-19** के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए कार्यस्थलों कार्यालयों में कोर टीम का गठन/किए जाने के साथ-साथ सभी परियोजनाओं/संयंत्रों व स्थापनाओं में भी एक कोर टीम गठित की गई। टीम गठन के पश्चात आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गईः

- सभी कार्यालय/परियोजना स्थलों के प्रशासन विभाग द्वारा कार्य स्थलों, वॉश्-रूम, पानी के कंटेनर, आदि पर स्वच्छता सुनिश्चित करने के कार्यों की निगरानी की गई।
- निगम की ओर से अनुबंध कर्मचारियों सहित सभी कर्मचारियों को पीपीई व मास्क की उपलब्धता और फ्रंटलाइन अधिकारियों (डॉक्टर्स, पैरामेडिक्स, सुरक्षा, सफाई परिचारक) को मास्क और दस्ताने के अनिवार्य उपयोग की निगरानी भी की गई।
- ए.सी. का यथासंभव उपयोग से बचने तथा दरवाजे एवं खिड़कियों को खुला रखकर प्राकृतिक वेंटिलेशन के उपयोग करने पर जोर दिया गया।
- कार्य स्थल पर कर्मचारियों की उपस्थिति, समय-सीमा और तारीख के अनुसार चरणबद्ध तरीका से सुनिश्चित की गई।
- प्रत्येक कार्य-दिवस के लिए कार्यस्थलों पर कर्मचारियों की उपस्थिति आवश्यकता सुनिश्चित की गई।
- परियोजना स्थल पर परियोजना प्रमुख तथा कारपोरेट कार्यालय में विभागाध्यक्ष, उत्पादन कार्य, रखरखाव, समन्वय तथा अन्य संबद्ध गतिविधियों पर विचार करते हुए वर्तमान परिस्थिति और कार्य की मात्रा/अनिवार्यता एवं परिचालन आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए यथासंभव न्यूनतम जन-शक्ति को कार्य पर बुलाने का निर्णय लिया गया।
- प्रत्येक कर्मचारी की स्वास्थ्य स्थिति (स्व-घोषणा के आधार पर) का मूल्यांकन किया गया तथा कर्मचारी के स्वस्थ पाए जाने पर ही कार्यालय में आने की अनुमति दी गई।

- बुखार, खांसी, उल्टी, दस्त आदि के लक्षण वाले व्यक्तियों को निर्देशित किया गया कि वे चिकित्सा अधिकारी से कार्यग्रहण करने संबंधी सलाह / फिटनेस प्रमाण पत्र के बिना काम शुरू न करें। ऐसे कर्मचारियों का विवरण परियोजना /संयंत्र के प्रमुख और कॉर्पोरेट कार्यालयों के विभागाध्यक्षों एवं कंपनी के डॉक्टर या नीपको के कोर टीम के साथ साझा किया गया।
- पूर्णरूप से पीपीई का उपयोग करते हुए आंतरिक टीमों द्वारा संपूर्ण कार्यालय परिसर में कीटाणुनाशन और स्वच्छता का कार्य किया गया।
- पर्याप्त मात्रा में हेंड सैनिटाइज़र उपलब्ध कराना : सभी प्रवेश द्वार, वॉश्-रूम, बैठने की जगह पर। ऊष्मावाले कार्य क्षेत्रों से दूर ठंडी जगह पर सैनिटाइज़र का भंडारण किया गया
- प्रत्येक कार्य स्थाल/कार्यालय के लिए पर्याप्त मात्रा में पीपीई की उपलब्धता : व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रत्येक कर्मचारी को फेस मास्क एवं दस्ताने उपलब्ध कराए गए।
- स्वच्छ और पोटेवल जल की उपलब्धता सुनिश्चित करना : पानी की गुणवत्ता का जाँच करें और लॉकडाउन के दौरान उपयोग न किए गए वाटर प्यूरीफायर/कूलर को साफ किया गया।
- जागरूक बनाना : सभी कर्मचारियों को कीटाणुशोधन और कम से कम 20 सेकंड तक हाथ धोने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

  सभी वाहनों को उपयोग से पहले और नियमित अंतराल पर विसंक्रमित किया गया :
- राज्य/जिला प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित संक्रमित क्षेत्रों की यात्रा नहीं की गई।
- प्रत्येक वाहन में हैंड सेनिटाइजर गया।
- थर्मल स्क्रीनिंग अनिवार्य:**कार्यालय परिसर, परियोजनाओं: संयंत्रों में प्रवेश और निकास के दौरान/** सभी कर्मचारियों, आगंतुकों के लिए फेस मास्क अनिवार्य किया गया।
    - डिजिटल थर्मल स्कैनर के माध्यम से प्रत्येक कर्मचारी, अनुबंध कर्मचारी, आगंतुक, आपूर्तिकर्ता, ठेकेदार को प्रशिक्षित कर्मचारी (सुरक्षा कार्मिक) द्वारा स्कैन किया गया।
    - यदि यह 99 °F (37.22 डिग्री सेल्सियस) से अधिक है, तो उन्हें कार्य स्थान में प्रवेश करने की अनुमति न दी जाए।
    - उक्त मानक से अधिक तापमान होने पर उन्हें एकांत कर दिया जाए और उनका तापमान पुनः लिया जाए। यदि दर्ज तापमान अभी भी अधिक है, तो कोर टीम को सूचित करते हुए व्यक्ति को तुरंत घर में एकांतवास (होम कोरंटाइन) के लिए भेज दिया जाए। निर्धारित सीमा से अधिक शरीरिक तापमान होने की स्थिति में व्यक्ति को संबंधित राज्य सरकार द्वारा जारी निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए। इसका पालन किया गया।डॉक्टर की सलाह के बाद ही व्यक्ति को दोबारा काम पर आने की अनुमति दी गई।
    - गेट में प्रवेश करनेवाले प्रत्येक व्यक्ति को अपने हाथों को सैनिटाइज़र का उपयोग कर या हाथों को अच्छी तरह से धोकर साफ करने की सलाह दी गई।
    - इस परिस्थिति में कर्मचारी उपस्थिति दर्ज करने के लिए बायोमेट्रिक फिंगर स्कैन का उपयोग नहीं किए।

कार्यस्थल पर :

- व्यक्तिगत स्वच्छता, हाथ की स्वच्छता, पीपीई का उपयोग, सामाजिक दूरी आदि के लिए नियमित अंतराल पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- वीसी / कन्फ्रेंश कॉल का उपयोग किया गया।
- व्यक्तिगत रूप से बातचीत के दौरान, न्यूनतम 6 फीट की सामाजिक-दूरी का सख्ती से पालन किया गया।
- यथासंभव हार्ड कॉपी फाइलों / कागजात के उपयोग से बचा गया।

प्लांट कॉलोनी टाउनशिप के लिए दिशानिर्देश

निवासियों की जिम्मेदारियां :

- कर्मचारियों/निवासियों के साथ-साथ परिवार के सदस्य, अनावश्यक रूप से बाहर जोने से बचें और घर में रहने की अवधारणा को अपनाएं।
- घर से बाहर जाते समय फेस मास्क का प्रयोग करें।
- बच्चों और बुजुर्गों को घर के अंदर ही रखें।
- मेहमाननवाजी से बचने की कोशिश करें।

  नौकरानियों/बाहरी लोगों की सहायता लेने से बचते हुए घरेलू कार्यों का निष्पादन परिवार के सदस्यों द्वारा करने की कोशिश करें।

  इन दिशा-निदेशों का यथासंभव पालन किया गया

नोवल कोरोनावायरस (कोविद 19-) से बचाव के लिए अपनाए गए कुछ उपायों की तस्वीरें

निदेशक (कार्मिक),नीपको ने 11 मई 2020 को समन्वय कार्यालय, गुवाहाटी के सुरक्षा बूथ, प्रवेश द्वार पर स्थापित "पैर के माध्यम से संचालित सैनिटाइजर डिस्पेंसर" का उद्घाटन किया।

नीपको, दोयांग जल-विद्युत परियोजना (ढेप) के कर्मचारियों ने अपनी कल्याण निधि से कोविड-19 के वोखा जिला टास्क् फोर्स को रु.1,30,000 (एक लाख तीस हजार) मात्र की राशि प्रदान की। यह राहत कोष उपायुक्त और अध्यक्ष, वोखा जिला टास्क फोर्स को 19 मई 2020 को उनके कार्यालय कक्ष में सौंपा गया।

दिनांक 16 से 31 मई 2020 तक स्वच्छ्ता पखवाड़ा के अनुपालन और कोविड-19 की रोकथाम के उद्देश्य से नीपको द्वारा अपने विभिन्न विभागों / स्थापनाओं/ परियोजनाओं / कार्यालयों / स्थानों पर नियमित रूप से स्वच्छता और किटाणुनाशक गतिविधियाँ चलाई गई।

"आईइआई शताब्दी उद्योग उत्कृष्टता पुरस्कार"

इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) ने नीपको को नई दिल्ली में 05.11.2019 को "आईइआई शताब्दी उद्योग उत्कृष्टता पुरस्कार" से सम्मानित किया। यह पुरस्कार श्री नितिन गडकरी, माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और एमएसएमईएस मंत्री द्वारा दिया गया।

निदेशक (कार्मिक) द्वारा कामेंग जल विद्युत परियोजना का दौरा

श्री अनिल कुमार, निदेशक (कार्मिक) 25.10.2019 को काहेप के इनसाइड पेनस्टॉक- I और 26.12.2019 को बिचोम डैम का अवलोकन करते हुए।

24.12.2019 को मुख्य सचिव, अरुणाचल प्रदेश के साथ श्री अनिल कुमार, निदेशक (कार्मिक) मुलाकात करते हुए, साथ में संयंत्र प्रमुख, काहेप।

"दौलत से आदमी को जो सम्मान मिलता है, वह उसका नहीं, उसकी दौलत का सम्मान है।" - मुंशी प्रेमचंद

वाणिज्यिक संचालन

नीपको ने 29.06.2020 को अरूणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले में स्थित अपनी 600 मेगावाट कामेंग जल विद्युत परियोजना के 150 मेगावाट यूनिट-2 के स्थापित इष्टतम क्षमता का एक सफल परीक्षण कर 01.07.2020 के 00:00 बजे से वाणिज्यिक संचालन आरंभ कर दिया है। इस संयंत्र के 300 मेगावाट (2 यूनिट) को चालू किए जाने के साथ ही देश के ऊर्जा क्षेत्र में वांछित परिवर्तन को बढ़ावा मिलेगा।

सीएसआर पहल

नीपको की सीएसआर योजना से वित्तीय सहायता के साथ मेघालय के पूर्व खासी हिल्स के पोमलम गांव में निर्मित एक सामुदायिक भवन का उद्घाटन 17.07.2020 को मेघालय के माननीय शहरी मामलों के मंत्री द्वारा किया गया।

नीपको की सीएसआर पहल : श्री सिद्धार्थ भट्टाचार्य, माननीय मंत्री, जीएमसी और कानून, असम सरकार को 9 मई, 2020 को कोविड-19 के खिलाफ कार्य पर तैनात किए गए नगरपालिका श्रमिकों के बीच वितरण के लिए मास्क, सैनिटाइज़र, हैंड वॉश लिक्युड सौंपा गया।

नीपको के विभिन्न परियोजनाओं/कार्यालयों/स्थानों पर कोविद-19 के खिलाफ गतिविधियाँ जिसमें स्वच्छता, जन जागरूकता, दवाओं का वितरण और आवश्यक आपूर्ति शामिल हैं।

"संसार के सारे नाते स्नेह के नाते हैं, जहां स्नेह नहीं वहां कुछ नहीं है।" - मुंशी प्रेमचंद

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जयंती

त्रिपुरा में नीपको के एजीटीसीसी पॉवर प्लांट में 17.7.2020 को डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जयंती मनाते हुए नागरिक कर्तव्य जागरूकता कार्यक्रम (सीडीएपी) के तहत एक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संयंत्र प्रमुख द्वारा 'संवैधानिक कर्तव्य जागरूकता कार्यक्रम ' पर एक पुस्तिका जारी की गई।

कोरोनोवायरस महामारी के समय में क्या करें और क्या न करें विषय पर 24.7.2020 को कॉर्पोरेट मामला, दिल्ली के कर्मचारियों के लिए एक स्वास्थ्य वार्ता का आयोजन किया गया। मैक्स हेल्थकेयर के कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजी डॉ. तरुण शर्मा ने इस कार्यक्रम की मेजबानी की।

"आतंकवाद निरोधी दिवस"

कोविड-19 महामारी को ध्यान में रखते हुए सामाजिक दूरी, मास्क पहनना आदि निवारक उपायों का पालन करते हुए नीपको कर्मचारियों द्वारा अपने विभिन्न विभागों/स्थापनाओ/परियोजनाओं/कार्यालयों/स्थानों में 21 मई, 2020 को प्रतिज्ञा लेकर "आतंकवाद निरोधी दिवस" समारोह आयोजित किए गए।

नीपको स्थापना दिवस

नीपको ने अपने विभिन्न परियोजनाओं/कार्यालयों/स्थानों पर 2 अप्रैल, 2020 को अपना 45 वां स्थापना दिवस मनाया।

ऊर्जा संबंधी संसदीय स्थायी समिति का अध्ययन दौरा।

22 जनवरी 2020 को भुवनेश्वर में ऊर्जा संबंधी संसदीय स्थायी समिति का अध्ययन दौरा।

"खाने और सोने का नाम जीवन नहीं है, जीवन नाम है, आगे बढ़ते रहने की लगन का।" - मुंशी मुंशी प्रेमचंद

गणतंत्र दिवस

26 जनवरी, 2020 को नीपको की विभिन्न परियोजनाओं/कार्यालयों/स्थापनाओं में **71** वॉ गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया।

विदाई

31 जनवरी, **2020** को अधिवर्षिता की आयु पर निगम की सेवा से सेवानिवृत श्री दिलीप बोरा, उप-प्रबंधक (सुरक्षा) और श्री सोमेश्वर सोनोवाल, सहायक प्रशासनिक अधिकारी को दोयांग जल-विद्युत संयंत्र (ढ़ेप) के कर्मचारियों ने विदाई दी।

निगम द्वारा प्रकाशित हिंदी पत्रिकाएं

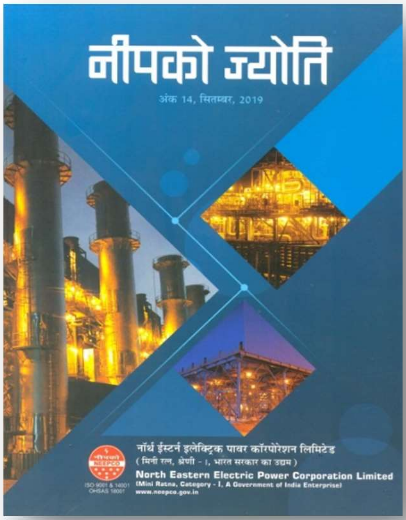

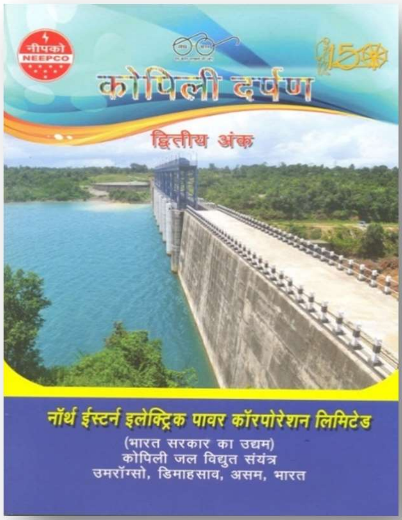

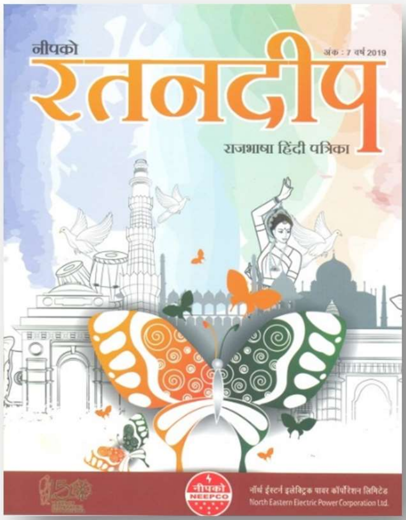

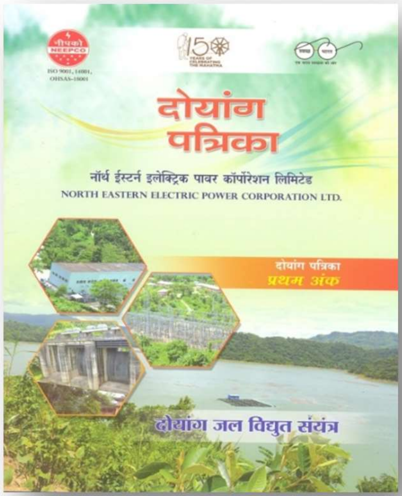

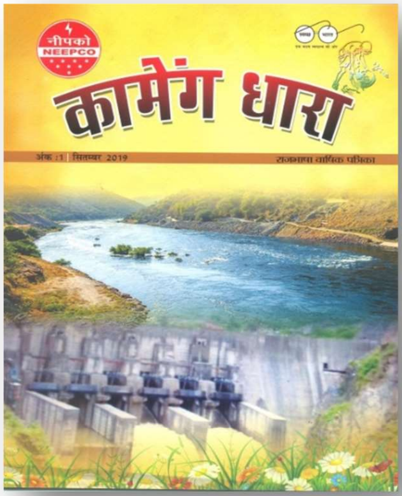

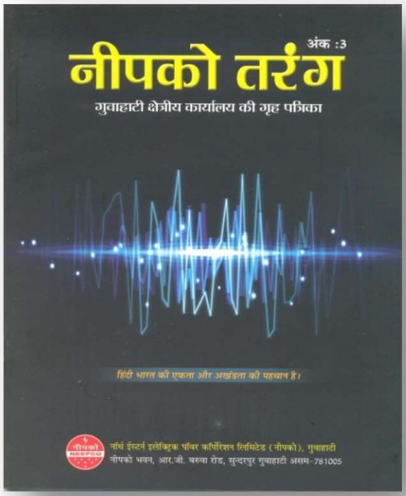

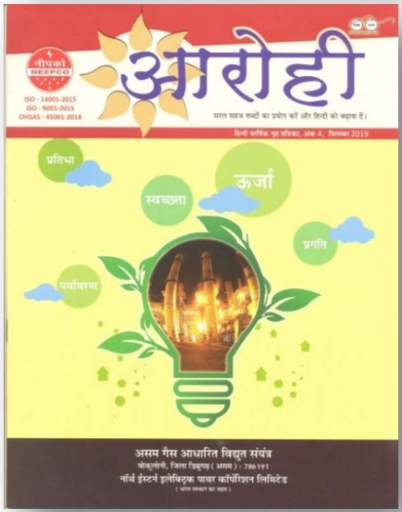

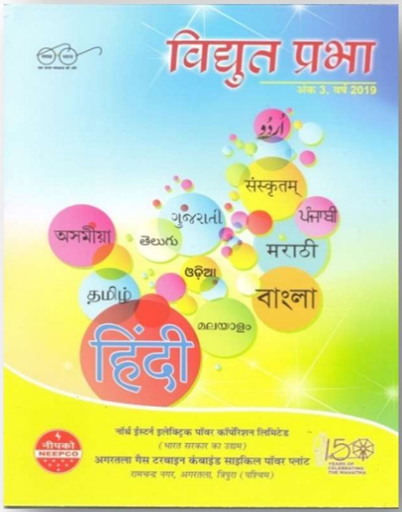

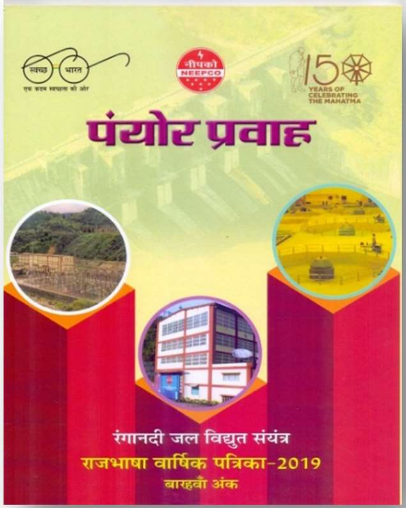

"दया मनुष्य का स्वाभाविक गुण है।" - मुंशी प्रेमचंद

नीपको समाचार पत्र की सुर्खियों में

4 बुधवार 2 अक्तूबर 2019 पूर्वोत्तर

शिलांग में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित

शिलांग: नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कारपोरेट मुख्यालय, शिलांग में गत दिनों एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में पी. एस. बरठाकु, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन), एस.एल. दुवरा, महाप्रबंधक (मानव संसाधन), बी. के. तिग्गा, उप-महाप्रबंधक (मानव संसाधन), राजभाषा के साथ-साथ संकाय सदस्य के रूप में अमित कुमार झा, सहायक निदेशक (राजभाषा), भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण, पूर्वोत्तर क्षेत्र मुख्यालय, शिलांग उपस्थित थे। कार्यशाला में उपस्थित सभी वरिष्ठ अधिकारियों और संकाय सदस्य तथा कार्यशाला में भाग लेनेवाले प्रतिभागियों का उप-प्रबंधक (हिंदी), अरूण कुमार प्रधान ने स्वागत किया। इस अवसर पर पी. एस. बरठाकुर, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यालयीन कार्य में सहयोग

के लिए कार्यालय द्वारा समय-समय पर हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। आग्रह किया कि इस कार्यशाला के अंतर्गत हिंदी का अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करें और सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग करने की पूरी कोशिश की करें। संकाय सदस्य के रूप में उपस्थित अमित कुमार झा से जहां भी कार्यालयीन कार्य हिंदी में करने मे आपको असुविधा होती है उसका समाधान करें। कंप्यूटर पर किस प्रकार से सहज रूप में हिंदी का प्रयोग किया जा सकता है, उसकी भी जानकारी से लाभ उठाएं। संकाय सदस्य के रूप में आमंत्रित अमित कुमार झा, सहायक निदेशक (राजभाषा), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, पूर्वोत्तर क्षेत्र मुख्यालय, शिलांग ने कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार की राजभाषा नीति, नियम से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रथम सत्र में कार्यालयीन प्रयोग हेतु हिंदी में टिप्पाणी और प्रारूप लेखन का अभ्यास कराया तथा दूसरे सत्र मे कंप्यूटर पर किस तरह से आसानी से हिंदी मे काम किया जा सकता है उसकाअभ्यास कराया। इस प्रकार एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला संपन्न हुई।

मंगलवार 3 सितंबर 2019 पूर्वांचल प्रहरी गुवाहाटी

नार्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक कॉरपोरेशन लि. शिलांग में हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन

शिलांग: नार्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन लि. के मुख्यालय, शिलांग में आज राजभाषा हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन किया गया। राजभाषा हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन निगम के निदेशक (वित्त), श्रीएम. शिवा शन्मुगानाथन ने प्रदीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस उद्घाटन कार्यक्रम के अवसर पर अनिल कुमार, निदेशक (कार्मिक) के अतिरिक्त वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बड़े पैमाने पर कर्मचारीगण भी उपस्थित थे। समारोह में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि निदेशक (वित्त) तथा अतिथि के रूप में उपस्थित निदेशक (कार्मिक) का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। उद्घाटन समारोह के अवसर पर पीएस बरठाकुर, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने अपने संबोधन में विशेष रूप से अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पखवाड़ा के दौरान आयोजित होनेवाली हिंदी प्रतियोगिताओं में भाग

लेने का आग्रह किया। अनिल कुमार निर्देशक (कार्मिक) ने राजभाषा नियम तथा नीति का संदर्भ देते हुए निगम में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करने का अनुरोध किया, जिससे कि हम सभी अपने सांविधिक दायित्व को निभा सके और राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं सरकारी कामकाज के लिए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर सके। इस अवसरप र मुख्य अतिथि एम. शिवा शन्मुगानाथन, निदेशक (वित्त) ने निगम में हिंदी के कार्य की प्रगति की सराहना की एवं इसे और अधिक बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत रहने की आवश्यकता पर बल दिया। माइस्नाम ईंगलेमा, उप-प्रबंधक (मानव संसाधन) ने कार्यक्रम का संचालन तथा स्वागत संबोधन किया। अरुण कुमार प्रधान, उप-प्रबंधक (हिंदी) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही समारोह संपन्न हुआ।

पूर्वांचल प्रहरी गुवाहाटी बुधवार 18 सितंबर 2019 3

मेघालय की खबरें

नॉर्थ-ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लि., शिलांग में हिंदी दिवस संपन्न

शिलांग: नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन के मुख्यालय, शिलांग में 16 सितंबर,2019 को हिंदी दिवसके मुख्य समारोह का आयोजन किया गया। निगम के निदेशक (कार्मिक), अनिल कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित करके हिंदी दिवस समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. एम.पी. पाण्डेय, (प्रोफेसर, हिंदी विभाग, नेहू, शिलांग) को आमंत्रित किया गया था। समारोह में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि अनिल कुमार, निदेशक (कार्मिक) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. एम. पी. पाण्डेय का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। तत्पश्चात एन. के. मैतै, उप-महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि तथा समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया। जे.एन. सिंह,

समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते निगम के निदेशक (कार्मिक), अनिल कुमार। साथ में अन्य पदाधिकारीगण

महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में अमित शाह, गृह मंत्री, भारत सरकार के संदेश को हिंदी दिवस के समारोह में वाचन किया। अरूण कुमार प्रधान, उप-प्रबंधक (हिंदी) ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आर. के. सिंह, विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा की गई अपील का पाठ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अनिल कुमार, निदेशक (कार्मिक) ने अपने संबोधन में सभी को हिंदी दिवस की हार्दिकबधाई देते हुए कहा कि हिंदी संघ की राजभाषा है और हम सबका यह दायित्व बनता है कि सरकारी कामकाज में हिंदी भाषा का अधिक से अधिक प्रयोग किया जाय। सरकारी कामकाज हिंदी में करने से एक तो हम भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन करेंगे और दूसराअपने निगम में राजभाषा के कार्यान्वयन में अग्रसर रहेंगे। उन्होंने हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को बधाई दी तथा जिन प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में विजय प्रास नहीं की, उनको उत्साहित करते हुए कहा कि प्रतियोगिता में विजयी होकर पुरस्कार प्रास करना ही एक लक्ष्य नहीं होना चाहिए। बल्कि हिंदी प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने आपको सबके समक्ष दर्शाना भी बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। आप सब निगम में समय-समय पर आयोजित होने वाले विभिन्न हिंदी कार्यक्रमों में भाग लेने का प्रयास करेंतथा अपने कार्यालयीन कार्य में हिंदी के प्रयोग करने में होने वाली झिझक से घबराए नहीं। जितना संभव हो उतना हिंदी का प्रयोग करने की कोशिश कीजिए। इस अवसर पर नीपको ज्योति पत्रिका के 14 वें अंक तथा हिन्दी-अंग्रेजी एवं स्थानीय शब्द कोश का विमोचन किया गया। निगम में राजभाषा की उपलब्धियों पर एक आर्कषक प्रदर्शनी भी लगाई गई। माईसनाम इंगालेमा, उप-प्रबंधक (मानव संसाधन) ने हिंदी दिवस समारोह का संचालन किया। अनिल कुमार दास, महाप्रबंधक (वित्त) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही हिंदी दिवस समारोह संपन्न हुआ।

"यश त्याग से मिलता है, धोखाधड़ी से नहीं |" – मुंशी प्रेमचंद

राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।

महात्मा गांधी

भाषा की सरलता,सहजता और शालीनता अभिव्यक्ति को सार्थकता प्रदान करती है। हिंदी ने इन पहलुओं को खूबसूरती से समाहित किया है।

नरेन्द्र मोदी (प्रधान मंत्री)

भारतीय सभ्यता की अविरल धारा प्रमुख रूप से हिंदी भाषा से ही जीवंत तथा सुरक्षित रह पाई है।

अमित शाह (गृह मंत्री)

ISO 9001, 14001 &
ISO 45001

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(मिनि रत्न, श्रेणी-I)

North Eastern Electric Power Corporation Limited

(Mini Ratna, Category - I)

www.neepco.co.in